नई दिल्ली ■ गुरुवार 04 दिसंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 246 ■ पृष्ठ 08

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 भारत की नीली सीमाओं की अजेय प्रहरी भारतीय नौसेना | 07 विराट आईसीसी एकदविसीय रैकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचे | अभी मैं सिंगल हूं, कॅरियर पर फोकस कर... 08

भारत के कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक खेती ला सकती है क्रांतिकारी बदलाव: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों से प्राकृतिक खेती अपनाने और इसे बढ़ावा देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह न केवल कृषि की लागत में कमी लाता है, बल्कि मिट्टी की सेहत, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने में भी सक्षम है।

प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक लिंक्डइन पोस्ट में विस्तृत लेख साझा किया, जिसमें उन्होंने हाल ही में कोयंबटूर में आयोजित साउथ इंडिया नेचुरल फार्मिंग समिट 2025 में शामिल होने के अनुभव और भारत में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं पर विचार प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री ने लेख में बताया कि उन्होंने कुछ माह पहले तमिलनाडु के किसानों के एक समूह ने उनसे मुलाकात की और प्राकृतिक खेती के अपने नवाचारी तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को कोयंबटूर में होने वाले प्राकृतिक खेती सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री ने किसानों का यह आमंत्रण स्वीकार करते हुए 19 नवंबर को इस सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से एमएसएमई हब माने जाने वाले कोयंबटूर में प्राकृतिक खेती पर ऐसा बड़ा आयोजन होना, अपने आप में कृषि जगत की नई सोच, नए आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा को दर्शाता है। अपने लेख में प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती भारत की प्राचीन कृषि-ज्ञान परंपरा और आधुनिक पारिस्थितिक सिद्धांतों का समन्वित रूप है। इसमें बिना रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के फसलों की खेती की जाती है।

प्राकृतिक खेती में फसलों, पेड़ों और पशुधन को एक ही खेत में सहजीवी रूप से विकसित होने दिया जाता है, जिससे जैव विविधता और मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है। इसके साथ ही खेत के अवशेषों के पुनर्चक्रण, मल्चिंग और प्राकृतिक पोषक तत्वों के उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता दीर्घकालीन रूप से सुधरती है। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में मिले किसानों और कृषि-उद्यमियों की प्रेरक कहानियों का उल्लेख करते हुए लिखा कि विविध पृष्ठभूमियों से आए लोग-वैज्ञानिक, युवा स्नातक, एफपीओ प्रमुख, पारंपरिक किसान और यहां तक कि उच्च वेतन वाली कॉर्पोरेट नौकरियां छोड़कर खेती में लौटे लोग आज प्राकृतिक कृषि के क्षेत्र में नए मॉडल स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक किसान 10 एकड़ में केले, नारियल, पपीता, काली मिर्च और हल्दी की मल्टी-लेयर फार्मिंग करते हैं, साथ ही 60 देशी गायें, 400 बकरियां और देसी मुर्गीपालन का भी संचालन करते हैं।

एक अन्य किसान देशी धान किस्मों जैसे 'मपिल्ली सांबा' और 'करुप्पु कवूनी' को संरक्षित कर रहे हैं और उनसे मूल्यवर्धित उत्पाद-हेल्थ मिक्स, पफ्ड राइस, चॉकलेट और प्रोटीन बार बना रहे हैं। एक प्रथम पीढ़ी के स्नातक किसान 15 एकड़ में प्राकृतिक खेती का संचालन करते हैं और 3,000 से अधिक किसानों को प्रशिक्षण दे चुके हैं, जबकि उनका समूह हर महीने 30 टन सब्जियां आपूर्ति करता है।

कुछ एफपीओ संचालकों ने कसावा (टैपिओका) किसानों की मदद करते हुए कसावा-आधारित उत्पादों को बायोएथेनॉल और कम्प्रेस्ड बायोगैस जैसी हरित ऊर्जा के स्रोत के रूप में बढ़ावा दिया है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि सम्मेलन में मिले कई कृषि नवप्रवर्तक इस बात का प्रमाण हैं कि विज्ञान और स्थिरता को एक साथ मिलाकर बड़े स्तर पर कृषि परिवर्तन संभव है। उदाहरण के तौर पर समुद्री शैवाल आधारित जैव उर्वरक बनाने वाले एक उद्यमी ने 600 मछुआरों को रोजगार दिया है। एक अन्य विशेषज्ञ ने पोषक तत्वों से भरपूर बायोचार विकसित किया है, जो मिट्टी की गुणवत्ता और जल धारण क्षमता में सुधार करता है।

प्रधानमंत्री ने अपने लेख में सरकार के उन प्रयासों का भी उल्लेख किया जो प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले वर्ष शुरू हुआ राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अब तक लाखों किसानों को इससे जोड़ चुका है। देशभर में हजारों हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती अपनाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि पीएम-किसान, कर्ज सुविधा का विस्तार, निर्यात को बढ़ावा और किसान क्रेडिट कार्ड को पशुपालन तथा मत्स्य पालन तक विस्तारित करने जैसे उपाय प्राकृतिक खेती की दिशा में गति प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्राकृतिक खेती 'श्री अन्न' (मिलेट्स) को बढ़ावा देने की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता से भी गहराई से जुड़ी है और यह सुखद है कि बड़ी संख्या में महिला किसान इस आंदोलन की अगुवाई कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों के साथ बैठक की, अभी से चुनावी तैयारी पर जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को संसद परिसर में पश्चिम बंगाल के भारतीय जनता पार्टी के सांसदों के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थितियों को देखते हुए पार्टी को जनता के साथ अपने रिश्ते मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने साल 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर सांसदों से बात की। उन्होंने विस्तृत प्रेज़ेंटेशन्स तैयार करने और पूरी जमीनी तैयारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जनता को बताने के भी निर्देश दिए। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद भाजपा सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शामिक भट्टाचार्य ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों के साथ बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने सांसदों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियों में जुट जाना चाहिए। इसके साथ सांसदों को सोशल मीडिया पर सक्रिय रह कर केंद्र की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने सांसद खगेन मुर्मु के स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा सांसद खगेन मुर्मु पर हुए हमले जैसी घटनाओं को जनता के बीच ठीक से रखें, ताकि लोग समझ सकें कि तृणमूल कांग्रेस की तरफ से किस तरह की हिंसा हो रही है। शामिक भट्टाचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों के साथ-साथ जनभागीदारी बढ़ाने पर भी ध्यान देने को कहा है। उन्होंने खेल महोत्सव, सोशल मीडिया कैंपेन जैसे तरीकों को जनता से जुड़ने के लिए प्रभावी बताया।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर

तीन जवान शहीद, दो घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया तथा इस घटना में तीन जवानों शहीद हो गये। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बीजापुर-दंतेवाड़ा जिले की सीमा से लगे पश्चिम बस्तर डिवीजन इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए तथा तीन जवानों शहीद हो गये एवं दो जवान घायल हो गये। जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि बीजापुर-दंतेवाड़ा जिले की सीमा से लगे पश्चिम बस्तर डिवीजन इलाके में आज सुबह नौ बजे जिला रिजर्व गार्ड दंतेवाड़ा-बीजापुर, एसटीएफ और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन को गश्त पर रवाना किया गया था। यादव ने बताया कि अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच लगातार रुक-रुक कर गोलीबारी चलती रही तथा क्षेत्र में सुरक्षाबलों की निर्णायक एवं आक्रामक कार्रवाई जारी है। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से अब तक 12 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं तथा एसएलआर राइफलें, .303 राइफलें तथा अन्य हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है।

सुंदरराज ने बताया कि इस मुठभेड़ में डीआरजी बीजापुर के तीन जवान प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी, आरक्षक दुकारू गोंडे और जवान रमेश सोड़ी की भी मृत्यु हो गयी जबकि डीआरजी के दो अन्य जवान घायल हो गये। उन्होंने कहा कि घायल जवानों को प्राथमिक उपचार प्रदान कर दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश में बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। सरकार ने सभी 17 नगर निगम क्षेत्रों में रोहिंग्या बांग्लादेशियों की बनाएं सूची बनाने के भी निर्देश दिए हैं। रोहिंग्या बांग्लादेशियों की बनाएं सूची बनाने के भी निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार अब बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन में आ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी 17 नगर निगम क्षेत्रों में काम करने वाले रोहिंग्या बांग्लादेशियों की बनाएं सूची बनाने के भी निर्देश दिए हैं। इसके बाद कमिश्नर और आईजी को रोहिंग्या बांग्लादेशियों की सूची सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सरकार ने कमिश्नर और आईजी को यूपी के हर मंडल में डिटेंशन सेंटर बनाने का निर्देश दिया गया है।मुख्यमंत्री योगी के इस निर्देश के बाद नगर निकायों के साथ ही शासन के अधिकारी भी सक्रिय हो गए हैं। घुसपैठियों का चिन्हांकन का कार्य शुरू हो गया है।

कर्नाटक के बागलकोट जिले में ट्रैक्टर ट्रॉली में पीछे से घुसी कार, 4 की मौत

बागलकोट। कर्नाटक के बागलकोट जिले के जामखंडी तालुक के सिद्धपुरा गांव के पास मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जामखंडी ग्रामीण पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस जांच कर रही है। बताया गया कि बागलकोट-विजयपुरा राजमार्ग पर सिद्धपुरा गांव के पास एक तेज रफ्तार से जा रही कार गन्ना लदे ट्रैक्टर के पिछले हिस्से से टकरा गई। इस दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल एक युवक को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी भी मौत हो गई। मृतकों की पहचान विश्वनाथ कंबरा (17), गणेश अरालीमट्टी (20), ईशु कंबरा, प्रवीण शेडबाल (22) और प्रज्ज्वल शेडबाल (17) के रूप में हुई है। ये सभी घायल सिद्धपुर गांव के रहने वाले हैं। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर जामखंडी ग्रामीण पुलिस स्टेशन से पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस को आशंका है कार चालक और अन्य युवक शराब के नशे में होंगे। तेज रफ्तार की वजह से उनकी कार गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्रॉली में पीछे से घुस गई। पुलिस छानबीन कर रही है।

मणिपुर: बीएसएफ और पुलिस के संयुक्त अभियान में अवैध हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल। मणिपुर में अवैध हथियारों के खिलाफ सुरक्षा बलों की सख्ती जारी है। इसी कड़ी में खुफिया जानकारी के आधार पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मिजोरम-कछार फ्रंटियर की चोरांगछुआ यूनिट और मणिपुर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया, जिसमें इंफाल पश्चिम जिले से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। अभियान में शामिल अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई में तीन रायफल, दो पिस्तौल, एक हैंड ग्रेनेड, दस जिंदा कारतूस, चार वॉकी-टॉकी और बड़ी मात्रा में सक्रिय गोला-बारूद जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में अनुमान है कि ये हथियार किसी उग्रवादी संगठन से जुड़े हो सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने कहा कि राज्य में शांति बहाल करने की दिशा में ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

संचार साथी ऐप मोबाइल में प्री-इंस्टॉल अनिवार्य नहीं, सरकार ने बदला नियम

नई दिल्ली। संचार साथी ऐप को मोबाइल फोन पर अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करने के आदेश पर विवाद बढ़ने के बाद सरकार ने इस नियम को हटा दिया है। इसकी जानकारी केंद्रीय संचार मंत्रालय ने दी।

मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि सरकार ने सभी नागरिकों को साइबर सिक्योरिटी देने के इरादे से सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप को पहले से इंस्टॉल करना जरूरी कर दिया था। यह ऐप सुरक्षित है और इसका मकसद सिर्फ नागरिकों को साइबर दुनिया में गलत लोगों से बचाना है। यह सभी नागरिकों को ऐसे गलत लोगों और कामों की रिपोर्ट करने में जन भागीदारी में मदद करता है, साथ ही यूज़र्स को भी बचाता है। ऐप में यूज़र्स को बचाने के अलावा कोई और काम नहीं है और वे अपने फोन से इसे हटा सकते हैं। इससे पहले संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद भवन में एक सवाल के जवाब में कहा कि संचार साथी ऐप का उद्देश्य सकारात्मक और लोक हितैषी है ना कि इसका मकसद स्नूपिंग करना है।

उपभोक्ता चाहे तो संचार साथी ऐप को अपने फोन से डिलीट भी कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक 1.4 करोड़ से अधिक लोग इस ऐप को डाउनलोड कर चुके हैं और हर दिन लगभग 2 हजार धोखाधड़ी की घटनाओं की जानकारी साझा कर रहे हैं। पिछले 24 घंटे में छह लाख लोगों ने ऐप डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण किया।

लोकसभा से 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' पारित

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' को पारित कर दिया। यह विधेयक तंबाकू उत्पाद पर मौजूदा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कंपनसेशन सेस की जगह बढ़ी हुई सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी लेगा। इसके साथ ही निचले सदन की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित हो गई।

इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा के पटल पर 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' को विचार और पारित करने के लिए रखा। सीतारमण ने सोमवार को निचले सदन में इस विधेयक को 1 दिसंबर को पेश किया था। वित्त मंत्री ने लोकसभा में 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक का मकसद जीएसटी मुआवजा सेस खत्म होने के बाद तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों पर उत्पाद शुल्क को बदलना है। उन्होंने कहा कि भारत में भी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से पहले तंबाकू के रेट हर साल बढ़ाए जाते थे।

यह मुख्य रूप से सेहत से जुड़ी चिंताओं के कारण था, क्योंकि ज्यादा कीमतें या टैक्स लोगों को यह आदत न लगाने के लिए रोकने के लिए थे। सीतारमण ने कहा कि यहां कई मंत्रियों ने कहा कि यह एक सेस है। उत्पाद शुल्क कोई सेस नहीं है, उन्होंने कहा ये शुल्क जीएसटी से पहले भी थी। कम्पेनसेशन सेस वापस केंद्र के पास आ रहा है, जिसे उत्पाद शुल्क के तौर पर इकट्ठा किया जाएगा, जिसे राज्यों को दिए गए 41 फीसदी हिस्से पर बांटा जाएगा। सीतारमण ने कहा कि 2022 तक जो कंपनसेशन सेस इकट्ठा किया जाता था, वह राज्यों के हाथ में चला गया, इसे राज्यों को दे दिया गया और उस समय जब जीएसटी आया था, तो कानून के हिसाब से कंपनसेशन सेस पूरे 5 साल तक इकट्ठा किया जाना था और यह 2022 में खत्म हो गया।

ये विधेयक केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 में बदलाव के लिए लाया गया है। यह एक्ट भारत में बने या बनाए गए सामान पर 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क' को लगाने और वसूलने का प्रावधान करता है। इस विधेयक को लाने का मकसद तंबाकू और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क' के रेट को बदलना है, ताकि इन उत्पादों पर टैक्स मौजूदा स्तर पर ही रहे। ये विधेयक बिना बने तंबाकू, बने हुए तंबाकू, तंबाकू उत्पादों और तंबाकू के सब्स्टीट्यूट पर 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क' बढ़ाता है।

खतरनाक स्तर के करीब दिल्ली-NCR में वायु गुणवत्ता, एक्यूआई 342

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण लगातार खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। राजधानी में बुधवार शाम हवा की गुणवत्ता सूचकांक 342 रही, जो बेहद खराब श्रेणी में आती है। तापमान में गिरावट और हवा की धीमी गति के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दक्षिण दिल्ली के नेहरू नगर में वायु गुणवत्ता सबसे खराब रही, जहां 436 का सूचकांक दर्ज किया गया।

मुंडका में 391, बवाना में 401, जहांगीरपुरी में 405, वजीरपुर में 402, रोहिणी में 418 और डीटीयू में 383 दर्ज किया गया। आनंद विहार में 402 और पंजाबी बाग में 381 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में आते हैं। दिल्ली एनसीआर के अलग-अलग शहर भी प्रदूषण से बुरी तरह प्रभावित रहे। गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में 324, हापुड़ में 363 और चरखी दादरी में 303 का वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज हुआ। सभी शहरों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। 03 दिसंबर की शाम से 06 दिसंबर तक मौसम ठंडा और आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। पहले दिन हल्की धुंध रहेगी। अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 05 से 07 डिग्री के आसपास रहेगा। हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 से 15 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी। गुरुवार 04 दिसंबर को दिन मुख्यतः साफ रहेगा, सुबह हल्का कोहरा और कुछ स्थानों पर शीत लहर का असर रहेगा। अधिकतम तापमान 22 से 24 और न्यूनतम 05 से 07 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। पांच दिसंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, अधिकतम तापमान 22 से 24 और न्यूनतम 04 से 06 डिग्री के आसपास रहेगा। हवा दिन और रात में 10 से 15 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी। 06 दिसंबर को आंशिक बादल और सुबह हल्का कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 23 से 25 और न्यूनतम 07 से 09 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। दिन में हवा 15 किमी और शाम व रात में 10 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी।

सीपीसीबी के मानदंडों के अनुसार, एक्यूआई 0 से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में कुल वायु प्रदूषण में वाहनों की हिस्सेदारी 20.45 फीसदी है। पराली जलाने से 1.97 फीसदी, निर्माण एवं ध्वंस गतिविधियों से 3.10 फीसदी और आवासीय क्षेत्रों से 5.30 फीसदी तक का योगदान होता है।

संभल के शाही जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर विवाद पर अब 8 जनवरी को सुनवाई

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा करने वाली एक याचिका पर आज सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में सुनवाई होनी थी, लेकिन उच्चतम न्यायालय से स्टे होने के कारण न्यायालय ने इस मामले में सुनवाई के लिए अगली तिथि 8 जनवरी 2026 निर्धारित की है।

संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने की आठ याचियों की ओर से दावा करने वाली याचिका सिविल जज सीनियर डिवीजन के यहां 19 नवंबर 2024 को दाखिल की गई थी। इसी याचिका पर आज सुनवाई होनी थी। इससे पूर्व सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह के कोर्ट में पिछली सुनवाई 6 नवंबर को हुई थी।

आज उच्चतम न्यायालय के स्टे के चलते सुनवाई नहीं हुई और अगली तारीख 8 जनवरी तय की है। इस प्रकरण की जानकारी देते हुए हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता श्रीगोपाल शर्मा ने बताया कि अब 8 जनवरी की तिथि तय की गई है। उन्होंने बताया कि सर्वे के आदेश के विरोध में मस्जिद पक्ष हाई कोर्ट गया था।

13 दिसंबर को जिला एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

जनपद न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर प्रचार वाहन को किया रवाना

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में 13 दिसंबर 2025 को मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव द्वारा बुधवार को हरी झंडी दिखाकर प्रचार वाहन को जिला न्यायालय से रवाना किया गया। इसके साथ ही पूरे जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अभियान और तेज व प्रभावी हो गया है।

जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रचार वाहनों पर लगाए गए बैनरों के माध्यम से जनता को राष्ट्रीय लोक अदालत की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। बैनरों पर राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान निस्तारित होने वाले वादों, प्रक्रिया, लाभ और संपर्क विवरण स्पष्ट व सुव्यवस्थित रूप से दर्शाए गए हैं, जिससे नागरिकों को एक नजर में पूरी जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही पंपलेट वितरण के माध्यम से भी नागरिकों को सीधे तौर पर जागरूक किया जाएगा। पंपलेट के माध्यम से जनपद के शहरी क्षेत्रों, गाँवों और औद्योगिक सेक्टरों में व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनपद का प्रत्येक नागरिक 13 दिसम्बर को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी से पूरी तरह अवगत हो और अपने मामलों को निस्तारण के लिए प्रस्तुत कर सके। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से, प्रचार वाहनों में लगाए गए ऑडियो सिस्टम के माध्यम से भी राष्ट्रीय लोक अदालत संबंधी महत्वपूर्ण संदेश लगातार प्रसारित किए जाएंगे। इन संदेशों में लोक अदालत की तिथि, स्थान, निस्तारित होने वाले वादों की श्रेणियाँ तथा इसके लाभों को सरल भाषा में बताया जाएगा। जनसामान्य की सुविधा के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी, सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर- 9716535451 एवं 7678643985 जारी किए गए हैं। नागरिक इन नंबरों पर संपर्क कर अपने मामलों की स्थिति, प्रक्रिया तथा लोक अदालत में प्रस्तुत किए जाने योग्य वादों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, नागरिक अपनी किसी भी प्रकार की जिज्ञासा अथवा विवरण- dlsa.gbnnoida@gmail.com पर भी ईमेल के माध्यम से प्रेषित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही पंपलेट वितरण के माध्यम से भी नागरिकों को सीधे तौर पर जागरूक किया जाएगा। पंपलेट के माध्यम से जनपद के शहरी क्षेत्रों, गाँवों और औद्योगिक सेक्टरों में व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनपद का प्रत्येक नागरिक 13 दिसम्बर को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी से पूरी तरह अवगत हो और अपने मामलों को निस्तारण के लिए प्रस्तुत कर सके। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से, प्रचार वाहनों में लगाए गए ऑडियो सिस्टम के माध्यम से भी राष्ट्रीय लोक अदालत संबंधी महत्वपूर्ण संदेश लगातार प्रसारित किए जाएंगे। इन संदेशों में लोक अदालत की तिथि, स्थान, निस्तारित होने वाले वादों की श्रेणियाँ तथा इसके लाभों को सरल भाषा में बताया जाएगा।

जनसामान्य की सुविधा के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी, सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर- 9716535451 एवं 7678643985 जारी किए गए हैं। नागरिक इन नंबरों पर संपर्क कर अपने मामलों की स्थिति, प्रक्रिया तथा लोक अदालत में प्रस्तुत किए जाने योग्य वादों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, नागरिक अपनी किसी भी प्रकार की जिज्ञासा अथवा विवरण- dlsa.gbnnoida@gmail.com पर भी ईमेल के माध्यम से प्रेषित कर सकते हैं। इस अवसर पर अपर जिला जज एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सोमप्रभा मिश्रा, अपर जिला जज विकास नागर, अपर जिला जज विजय कुमार हिमांशु, अपर जिला जज संजय कुमार सिंह, अपर जिला जज अभिषेक पांडे, अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्र मोहन श्रीवास्तव, अपर जिला जज प्रियंका सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजीव कुमार त्रिपाठी तथा सिविल जज (सीनियर डिवीजन, एफसी) सुमित कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की साइट से चोरी करने वाले इंजीनियर सहित चार गिरफ्तार

नोएडा। निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एलमुनियम की तार और कीमती सामान चोरी करने वाले गैंग का थाना ईकोटेक-1 पुलिस ने बुधवार को पर्दाफाश कर इंजीनियर समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 25 लाख रुपये कीमत का चोरी का तार बरामद हुआ।

ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि आज एक सूचना के आधार पर थाना ईकोटेक-1 की पुलिस ने चेकिंग के दौरान जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कर रही टाटा कंपनी के साइट इंजीनियर के साथ चार आरोपितों को पकड़ा। आरोपित एक कैंटर में एयरपोर्ट की साइट से एल्युमिनियम की तार चोरी कर बेचने के लिए लेकर जा रहा था। पुलिस ने उनके पास से फर्जी नंबर प्लेट लगा कैंटर, उसमें भरा करीब 15 लाख रुपये कीमत का तार और एक कार बरामद की है।

पकड़े गए आरोपितों की पहचान साइट इंजीनियर शिवम शर्मा निवासी ग्राम लालपुर थाना टप्पल जिला अलीगढ़, गाड़ी चालक इरशाद अहमद, गाड़ी का हेल्पर मोहम्मद सिराज और कबाड़ी इजहार उर्फ सोनू निवासी ग्राम टिकरिया जिला सिद्धार्थ नगर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए दो आरोपित इंजीनियर की मिलीभगत से साइट से तार चोरी कर कबाड़ी इजहार को बेचते थे। पुलिस इनके बारे में अन्य जानकारी जुटा रही है।

इनामी गांजा तस्कर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में गांजे बेचने वाले 15 हजार रुपये के इनामी तस्कर को चौगानपुर गोल चक्कर के पास से बुधवार को गिरफ्तार किया। आरोपी ओडिशा से ट्रक में गांजा लाकर अपने साथियों के साथ बेचता था। आरोपी की पहचान अरविंद किशोर उर्फ टोमी उर्फ टोमू निवासी राजपुर ग्राम जिला हाथरस के रूप में हुई है। वह गांजा तस्करी के आरोप में फरार चल रहा था। इसके दो साथी अली हसन और योगेंद्र पहले पकड़े जा चुके हैं।

फ्लैट से लाखों के जेवरात और नगदी चोरी, तीन घरेलू सहायिकाओं पर आरोप

नोएडा। सेक्टर-107 स्थित एक सोसाइटी के फ्लैट से लाखों के जेवरात और नगदी चोरी का मामला सामने आया है। फ्लैट मालिक ने घर पर काम करने वाली तीन सहायिकाओं पर चोरी करने का संदेह जताते हुए केस दर्ज कराया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-107 स्थित ग्रेट वैल्यू शरणम सोसाइटी निवासी साहिल चंद्रा ने पुलिस को बताया कि वह एक फ्लैट में परिवार संग रहते हैं।

उन्होंने बच्चे की देखभाल, खाना बनाने वाली और साफ-सफाई करने वाली तीन घरेलू सहायिकाओं को काम पर रखा हुआ है। उनके फ्लैट से 20 अक्तूबर से 11 नवंबर के बीच एक सोने का कड़ा, एक सोने की चेन, एक हीरे-सोने की अंगूठी, सोने का एक पैंडल, एक जोड़ी सोने की झुमकी और 90 हजार रुपये चोरी हो गए। इसके बाद 12 नंवबर को घर से 70 हजार रुपये और चोरी हो गए। पीड़ित ने घर में खोजबीन की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने भी खोजबीन करने के लिए समय दिया।

पीड़ित का कहना है कि उन्हें फ्लैट का कोना-कोना छान मारा, लेकिन कहीं पता नहीं चला, जबकि घर में तीनों सहायिकाओं के अलावा कोई नहीं आया। पीड़ित को संदेह है कि घर पर काम करने वाली तीन घरेलू सहायिका अनीता, रामा और मासूमा ने ही चोरी की है। पुलिस का कहना है कि घटना के संबंध में केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

बिजली का मीटर लगवाने के नाम पर ठगी 3.74 लाख रुपये

नोएडा। साइबर अपराधियों ने बिजली मीटर लगाने के नाम पर एक व्यक्ति से पौने चार लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने गूगल से बिजली कंपनी का नंबर सर्च किया था।

जालसाज ने खुद को कंपनीकर्मी होने का दावा करके पीड़ित से बैंक खाते की जानकारी ले ली थी। पीड़ित ने साइबर अपराध थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के कुलेसरा गांव निवासी ब्रिजेश ने पुलिस को बताया कि वह ज्योतिष का काम करते हैं। पिछले दिनों वह अपने घर पर नया बिजली मीटर लगवाने के लिए ऑनलाइन नंबर खोज रहे थे। 27 नवंबर को जालसाज ने खुद को बिजलीकर्मी बनकर उन्हें फोन कॉल की। इसके लिए ऑनलाइन ही पंजीकरण शुल्क 13 रुपये जमा कराने के लिए कहा। पीड़ित ने बातों में आकर भुगतान करने के दौरान बैंक खाते की जानकारी दे दी। उसके बाद ठगों ने संपर्क बंद कर लिया।

अगले दिन ब्रिजेश के पास सात बार में 3.74 लाख रुपये कटने के मैसेज आए। पीड़ित को तब जाकर अहसास हुआ कि एक दिन पहले उन्होंने जिस बिजलीकर्मी को बैंक खाते की जानकारी दी थी, उसी ने ठगी की है। पीड़ित ने एनसीआरपी और साइबर अपराध थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिन बैंक खातों में पीड़ित की रकम ट्रांसफर हुई है, उनमें जमा रकम को फ्रीज कराया जा रहा है।

कार की खिड़की का शीशा तोड़कर बैग चुराया

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की पंचशील ग्रीन्स-2 सोसाइटी के सामने सड़क किनारे खड़ी कार की खिड़की का शीशा तोड़कर बैग चोरी कर लिया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक निराला एस्पायर सोसाइटी में मनोज कुमार सिंह परिवार के साथ रहते हैं। मनोज कुमार ने पुलिस को बताया कि वह सोमवार को अपने ऑफिस से घर लौट रहे थे। इसी बीच रास्ते में पंचशील ग्रीन्स-2 सोसाइटी के सामने बाजार में सब्जी लेने के लिए रुक गए। वह अपनी कार सड़क किनारे खड़ी कर बाजार में सब्जी लेने चले गए। वह सब्जी लेकर वापस लौटे तो कार की पिछली खिड़की का शीशा टूटा मिला।

सीट पर रखा बैग गया था। बैग में उनका लैपटॉप, पर्स, चार्जर और जरूरी दस्तावेज रखे थे। पीड़ति ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

लापरवाह पुलिस कर्मियों पर गिरी पुलिस आयुक्त की गाज

डायल -112 के प्रभारी लाइन हाजिर, 10 निलंबित

नोएडा। पुलिस आयुक्त गौतम बुद्ध नगर लक्ष्मी सिंह ने पर्यवेक्षण में शिथिलता बरतने के परिणाम स्वरुप डायल- 112 के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडे को लाइन हाजिर कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने 10 पुलिस कर्मियों को निलंबित किया है। इनके खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं। सभी पुलिसकर्मी डायल- 112 पर तैनात हैं।

मंगलवार की देर रात को उनकी औचक चेकिंग की गई थी। ये लोग अपने निर्धारित स्थान पर चेकिंग के दौरान नहीं पाए गए। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी विजय गौतम ने बुधवार की शाम को एक प्रेस नोट जारी करके बताया कि शरद ऋतु के आगमन के दृष्टिगत पुलिस आयुक्त गौतम बुद्ध नगर लक्ष्मी सिंह ने कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए विभिन्न स्तरों पर आदेश जारी किया है। उन्होंने बताया कि विशेष सतर्कता एवं निगरानी बढ़ाने के पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में कमिश्नरेट की सीमाओं एवं सभी प्रमुख बॉर्डर, पॉइंट्स पर अतिरिक्त सतर्कता बढ़ाते हुए आवश्यकता अनुसार पीआरवी वाहनों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी महत्वपूर्ण स्थान पर पुलिस की दृश्यता बढ़ाने तथा जनता में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने हेतु पुलिस कर्मियों को प्रयासरत रहने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में पुलिस आयुक्त के आदेशानुसार 2 दिसंबर की रात्रि को एक्सप्रेसवे पर तैनात पीआरवी वाहनों की रैंडम चेकिंग की गई चेकिंग के दौरान रात 8 बजे कुल चार पीआरवी वाहनों में से केवल एक वाहन ही अपनी निर्धारित लोकेशन पर मिला। तीन अपने ड्यूटी पॉइंट पर अनुपस्थित पाए गए। इसके उपरांत रात 10 बजे इसी रूट पर पीआरवी वाहनों की रैंडम चेकिंग कराई गई। इस दौरान दो वाहन अपना निर्धारित लोकेशन पर पाए गए, और शेष दो वाहन अनुपस्थित मिले।

उन्होंने बताया कि पुलिस कमिश्नर द्वारा अपनी ड्यूटी पर अनुपस्थित मिले पीआरबी वाहनों पर नियुक्त पुलिस अधिकारी/ कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि निलंबित किए गए पुलिस कर्मियों के नाम उपनिरीक्षक रतन सिंह, मुख्य आरक्षी छोटेलाल सिंह, मुख्य आरक्षी अखलीम अली, मुख्य आरक्षी चालक सुमित कुमार, आरक्षी रविंद्र कुमार, चालक होमगार्ड नवीद्र सिंह, आरक्षी राजू कुमार, आरक्षी चालक प्रशांत बालियान, आरक्षी कृष्ण वीर, आरक्षी चालक गौरव चौधरी है। उन्होंने बताया कि डायल -112 के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडे को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर किया गया है। उन्होंने बताया कि इनके पर्यवेक्षण में शिथिलता पाई गई थी।

जिला रजिस्ट्रेशन एवं अल्ट्रासाउंड समिति की समीक्षा बैठक

अस्पतालों और अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नवीनीकरण एवं नियम पालन पर जोर

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में आज जिला रजिस्ट्रेशन एवं अल्ट्रासाउंड समिति की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिले के विभिन्न अस्पतालों एवं अल्ट्रासाउंड केन्द्रों के पंजीकरण, नवीनीकरण तथा कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार ने समिति को जिले में संचालित अस्पतालों और अल्ट्रासाउंड केन्द्रों की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा हाल ही में किए गए निरीक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उक्त जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी अस्पताल एवं अल्ट्रासाउंड केन्द्र निर्धारित नियमों तथा पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों का शत-प्रतिशत पालन करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इस विषय पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि समिति द्वारा सभी आवश्यक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट प्राप्त करने के बाद आज 8 अल्ट्रासाउंड केन्द्रों के नवीनीकरण, 1 नए अल्ट्रासाउंड केन्द्र, 50-बेड के 2 नए अस्पतालों तथा 4 अस्पतालों के नवीनीकरण को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे, एसीएमओ डॉ. चंदन सोनी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राहगीरों से मोबाइल छीनने वाले दबोचे

नोएडा। सेक्टर-58 थाने की पुलिस ने राहगीरों से मोबाइल झपटने वाले गिरोह के दो बदमाशों को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन, एक बाइक और एक अवैध हथियार बरामद हुआ। एसीपी द्वितीय स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम की मंगलवार रात टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। सेक्टर-62 स्थित सीडेक के पास टीम ने बाइक सवार दो संदिग्धों को रुकने का इशारा किया तो वे भागने लगे। टीम ने पीछा कर दोनों को दबोच लिया। बदमाशों की पहचान मध्य प्रदेश के जिला छतरपुर निवासी बॉबी चौहान और जिला फिरोजाबाद के नारखी गांव निवासी लोकेश माथुर के रूप में हुई। दोनों आरोपी वर्तमान में गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में किराये पर रहते हैं। तलाशी ली तो उनके पास से चार मोबाइल फोन और एक अवैध हथियार बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों से पता चला कि वह राहगीरों से मोबाइल फोन झपटते थे। इसके बाद मोबाइल फोन को राह चलते लोगों को सस्ते दाम पर बेचते थे।

दिल्ली नगर निगम उपचुनाव

भाजपा 7, आप 3, कांग्रेस और एआईएफबी ने 1-1 वार्ड जीता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को दिल्ली नगर निगम के 12 वार्ड में से सात पर जीत हासिल की। गत 30 नवंबर को उपचुनाव हुए थे। मतों की गिनती आज दोपहर तक खत्म हो गई। दूसरे नंबर पर रही आप को तीन सीटें मिलीं, कांग्रेस और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने एक-एक सीट जीती। वार्ड के हिसाब से आप के अनिल मुंडका से 1577 मतों के अंतर से जीते, शालीमार बाग बी से भाजपा उम्मीदवार अनीता जैन ने 10,000 से ज़्यादा मतों के अंतर से जीत हासिल की। भाजपा की वीना असीजा अशोक विहार से जीतीं और सुमन कुमार गुप्ता चांदनी चौक से जीतीं। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के इमरान चांदनी महल वार्ड से जीते, जबकि द्वारका बी से भाजपा की मनीषा देवी जीतीं। भाजपा उम्मीदवार रेखा रानी ने दिचाओं कलां से 5637 मतों के अंतर से जीत हासिल कीऔर आप की नीतू को पीछे छोड़ दिया।

आप के राजन अरोड़ा ने नारायणा वार्ड से सिर्फ़ 148 वोटों के मामूली अंतर से जीत हासिल की, जबकि भाजपा की चंद्रकांता शिवानी दूसरे नंबर पर रहीं। इंडियन नेशनल कांग्रेस ने संगम विहार ए सीट हासिल की, जहां उसके उम्मीदवार सुरेश चौधरी ने 3628 वोटों के अंतर से जीत हासिल की, और भाजपा के शुभ्रजीत गौतम को पीछे छोड़ दिया। आप ने दक्षिणपुरी से भी जीत हासिल की, जबकि ग्रेटर कैलाश और विनोद नगर भाजपा ने जीते। उपचुनाव में सबसे बड़ा जीत का अंतर शालीमार बाग-बी में रहा, जहाँ भाजपा की अनीता जैन ने आप की बबीता राणा को 10,101 वोटों से हराया। यह नतीजा भाजपा के लिए दिल्ली नगर निगम में एक बड़ी और निर्णायक जीत माना जा रहा है। वोट शेयर के लिहाज से भी भाजपा सबसे आगे रही। इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव के बाद ये उपचुनाव कराए गए थे। ये 12 सीटें ज्यादातर विधानसभा चुनाव के बाद खाली हुई थीं। एक सीट पर पार्षद के सांसद बन जाने के कारण भी उपचुनाव हुआ था।

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव जीतने पर वीरेंद्र सचदेवा ने जनता का जताया आभार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव के नतीजे बुधवार को घोषित हो गए हैं। सभी 12 सीटों में से भाजपा ने 7 सीट, आम आदमी पार्टी ने 3 और कांग्रेस और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने 1-1 सीट पर जीत दर्ज की है। इस चुनाव में भाजपा को 2 सीटों का नुकसान हुआ है।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव के नतीजों पर, दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मैं दिल्ली के लोगों को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी को आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद देता हूं। हमने 12 में से 7 सीटें जीती हैं। दिल्ली सरकार में हमारा काम अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार, नगर निगम के साथ मिलकर, शहर को साफ रखने की पूरी कोशिश कर रही है। वो दिन गए जब राज्य सरकार नगर निगम पर इल्ज़ाम लगाती थी और जिम्मेदारी से बचती थी। भाजपा सरकार में लगातार देश और दिल्ली का विकास हो रहा है। भाजपा सांसद कमलजीत सेहरावत ने कहा कि मैं हमारी पार्टी पर भरोसा करने के लिए नागरिकों का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। आपने हमें दिल्ली में सरकार बनाने का मौका दिया और नगर निगम चुनावों में भी हमारा साथ दिया। मैं वादा करता हूं कि आने वाले समय में नगर निगम, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार मिलकर दिल्ली की सेवा करेंगे। भाजपा विधायक अजय महावर ने कहा, "हमने सात सीटें जीतीं, जो हमारे लिए साफ जीत है। हमारा वोट परसेंटेज 45 प्रतिशत से ज्यादा है, जबकि विपक्षी आम आदमी पार्टी 35 प्रतिशत से कम है, जिससे हमें 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त मिली है। जनता ने हम लोगों पर विश्वास जताया है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के एलजी आवास का नाम बदल कर 'लोक निवास' किया गया

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम भी बदल कर 'राज निवास' से 'लोक निवास' कर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में देशभर के राजभवनों और राज निवास का नाम बदलने का निर्देश दिया था। उपराज्यपाल सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में आज इसकी जानकारी सामने आई। इसमें कहा गया है कि राज निवास दिल्ली अब से केवल 'लोक निवास, दिल्ली' के तौर पर जाना जाएगा। इसके अलावा उपराज्यपाल से जुड़े सचिवालय की ओर से संचालित एक्स खाते का नाम भी बदल कर लोक निवास, दिल्ली कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर औपनिवेशिक परंपराओं को बदलने का क्रम जारी है। राजपथ का नाम कर्तव्य पथ, प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम सेवा तीर्थ होना इसकी का हिस्सा है।

अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तरी जिले की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने एक बड़े अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए पांच सप्लायरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से कुल 51.5 किलो गांजा, एक आई-10 कार और 1,02,510 रुपये बरामद किया है। यह गिरफ्तारी दिल्ली, उप्र, बिहार और त्रिपुरा तक फैले नेटवर्क को उजागर करती है। उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बंथिया ने बुधवार को बताया कि पुलिस टीम जिले में सक्रिय ड्रग सप्लायरों पर नजर रख रही थी। 25 नवंबर को गुप्त सूचना पर बुराड़ी के कमल विहार में छापेमारी कर जितेंद्र उर्फ जीते को दबोचा गया। उसके घर से 6.132 किलो गांजा और 1.02 लाख रुपये मिले। इसी शिकायत पर बुराड़ी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जितेंद्र ने पूछताछ में बताया कि वह गांजा अनिल, सबीता देवी और राम कुमार से खरीदता है। पुलिस ने 26 नवंबर को स्वरूप नगर से सप्लायर सबीता देवी को 1.542 किलो गांजा के साथ पकड़ा। उसने खुलासा किया कि उसका देवर अनिल बनारस से सप्लाई करता है। इसके बाद पुलिस ने राम कुमार की तलाश में तकनीकी निगरानी शुरू की।

केजरीवाल ने एमसीडी उपचुनाव के नतीजों को आआपा के लिए बताया सकारात्मक

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों के उपचुनाव के घोषित नतीजों को अपनी पार्टी के लिए सकारात्मक बताया। उन्होंने आआपा पर भरोसा जताने के लिए जनता का आभार जताया।

केजरीवाल ने बुधवार को एक्स पोस्ट में कहा कि एमसीडी उपचुनाव में इस बार आआपा ने अपने समर्पित कार्यकर्ताओं को चुनाव मैदान में उतारा और दिल्ली की जनता ने अपने जनादेश से ये साफ कर दिया है कि जनसमर्थन लगातार आआपा की तरफ मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 10 महीनों में ही जनता का विश्वास एक बार फिर तेजी से आआपा की ओर लौट रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली बहुत जल्द वापस सकारात्मक राजनीति और अच्छे कामों की तरफ लौट रही है। एमसीडी के 12 वार्डों के उपचुनाव में भाजपा ने सात और आआपा ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की है।

पिछली बार इन 12 सीटों में से 9 पर भाजपा और 3 पर आआपा का कब्जा था, जबकि इस उपचुनाव में भाजपा सिर्फ सात सीटें ही जीत सकी। आआपा ने इस बार भी तीन सीटें जीती है। इनमें मुंडका से अनिल लाकड़ा, नारायणा से राजन अरोड़ा और दक्षिणपुरी से रामस्वरूप कनौजिया ने जीत हासिल की।

'हमारी सरकार अनथक कर रही काम', दिल्ली एमसीडी उपचुनाव जीतने पर सीएम ने प्रत्याशियों को दी बधाई

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव के नतीजे बुधवार को घोषित हो गए हैं, जिसमें भाजपा ने 7 सीट जीती हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रत्याशियों को जीत की बधाई दी है।

रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर प्रत्याशियों को जीत की बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अपना अमूल्य आशीर्वाद प्रदान करने हेतु दिल्ली के नागरिकों का हृदयपूर्वक आभार। यह विजय, हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, समर्पण तथा संगठन की सामूहिक शक्ति का सशक्त प्रमाण है। उपचुनाव में विजयी सभी भाजपा उम्मीदवारों को हार्दिक शुभकामनाएं। दिल्ली के विकास के प्रति हमारी सरकार प्रतिबद्ध है, और बिना रुके काम कर रही है। दिल्ली सरकार के मंत्री पंकज कुमार सिंह ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर प्रत्याशियों को जीत की बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

मटियाला विधानसभा अंतर्गत द्वारका-बी वार्ड से विजयी प्रत्याशी मनीषा देवी तथा नजफगढ़ विधानसभा अंतर्गत ढिचाऊ कलां से विजयी प्रत्याशी रेखा रानी को भी उनकी शानदार जीत पर हृदयपूर्वक बधाई। दिल्ली नगर निगम उपचुनाव में विजय प्राप्त करने वाले सभी सम्मानित प्रत्याशियों को पुनः बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। दिल्ली की महान जनता का यह जनादेश दिल्ली के विकास और जनसेवा को नई गति प्रदान करेगा।

दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल शर्मा ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि निगम उपचुनावों में भाजपा की शानदार विजय, भ्रष्टाचारी और झूठे केजरीवाल गैंग का सूपड़ा साफ, चांदनी चौक और चांदनी महल जैसी सीटों पर भी आम आदमी पार्टी की करारी हार, छठ पूजा का अपमान करने वालों को ग्रेटर कैलाश की जनता ने धूल चटाई, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व व विकास की नीतियों तथा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के संकल्प और भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है, ये भव्य विजय है।

बता दें कि इस बार के उपचुनाव को दिल्ली के तीनों दलों (भाजपा, कांग्रेस और आप) ने बेहद अहम माना है, क्योंकि ये नतीजे राजधानी की राजनीति पर बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। चुनाव नतीजों में भाजपा अपनी जीत से उत्साहित है। इस उपचुनाव में 7 सीटें मिलने के बाद भाजपा पार्षदों की संख्या 122 पहुंच गई है।

जीत छोटी लेकिन संकेत बड़े बदलाव का: देवेंद्र यादव

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि निगम उपचुनावों में वोट प्रतिशत में लगभग दोगुना बढ़ोत्तरी के साथ संगम विहार वार्ड में सुरेश चौधरी की जीत के साथ कांग्रेस ने जिस तरह वापसी की है, उसका श्रेय कांग्रेस के बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को जाता है जिन्होंने दिन रात मेहनत करके उपचुनाव में काम किया। कांग्रेस का वोट प्रतिशत में 6.18 प्रतिशत से बढ़कर 13.44 प्रतिशत पर पहुंचना राजनीतिक परिवर्तन का प्रमाण है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि 12 वार्डों पर जो उपचुनाव हुआ, उसमें 9 भाजपा के पास थी जिनमें वो 7 पर जीती है। इन उपचुनावों के परिणामों के बाद सामने आ गया है कि लोग एक बार फिर कांग्रेस की ओर देख रहे हैं और जहां हमारा वोट प्रतिशत दोगुना हुआ है वहीं भाजपा के वोट प्रतिशत में 2 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी के वोट प्रतिशत में 8 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि निगम चुनाव में पिछले 10 महीने पहले बनी भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है। निगम चुनाव में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जिस तरह जनता के बीच झूठे वादों को भुनाने की कोशिश की, जनता ने उनको नजरअंदाज करके निगम चुनाव में मतदान करके भाजपा को करारा जवाब दिया है।

मोहल्ला क्लिनिक एवं झुग्गियों में लगी आग

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के दो अलग-अलग इलाकों में बुधवार शाम आग लग गई। पहली घटना यमुना विहार की है। यहां बंद पड़े मोहल्ला क्लिनिक में आग लगी। दमकल ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया जबकि पीतमपुरा स्थित झुग्गियों में आग लगी। खबर लिखे जाने तक दमकल की टीम आग बुझाने में जुटी थी।

दमकल विभाग के अनुसार पहली घटना यमुना विहार की है। यहां बुधावर दोपहर करीब 4.20 बजे सूचना मिली कि मोहल्ला क्लिनिक में आग लग गई है। सूचना मिलते ही तीन दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि शाम करीब 4:00 बजे मोहल्ला क्लीनिक के अंदर से धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही मिनटों में आग भड़कने लगी और क्लीनिक के पोर्टा केबिन से लपटें बाहर निकलने लगीं। लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को मामले की सूचना दी। दमकल अधिकारियों ने बताया कि बंद पड़ा यह मोहल्ला क्लीनिक पोर्टा केबिन में बनाया गया था। ऐसे पोर्टा केबिन आमतौर पर शीट, फाइबर और हल्के ढांचे से बने होते हैं, जिनमें आग तेजी से फैलने की संभावना रहती है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि क्लीनिक बंद होने के बावजूद भीतर रखे कुछ सामान, वायरिंग या सामग्री ने आग को तेज पकड़ने में भूमिका निभाई होगी। हालांकि आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है। दूसरी घटना पीतमपुरा की है। दमकल विभाग के मुताबिक शाम करीब 5.25 बजे दमकल कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि एक पीतमपुरा स्थित झुग्गियों में आग लग गई है। मामले की सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारियों का कहना है कि अभी आग बुझाने का कार्य जारी है।

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण पर सरकार सख्त, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए सरकार अब पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साफ कहा है कि प्रदूषण नियंत्रण में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले सरकारी संस्थानों के खिलाफ चालान काटने से लेकर एफआईआर दर्ज करने तक के निर्देश दे दिए हैं।

दिल्ली सचिवालय में बुधवार को हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को अगल-बगल की जमीनी स्थिति सुधारने और आगामी दिनों में युद्धस्तर पर काम करने के आदेश दिए। बैठक में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, डीपीसीसी, डीडीए, डीएसआईआईडीसी, दिल्ली मेट्रो व अन्य कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि राजधानी की

सड़कें किसी भी हालत में टूटी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को अगले 72 घंटे में शहर के हर गड्ढे की पहचान कर उन्हें भरने का निर्देश दिया। पीडब्ल्यूडी को 1400 किमी सड़क नेटवर्क में पॉटहोल्स की मरम्मत तुरंत पूरी करने के लिए कहा गया है, जबकि डीडीए को अपनी खाली जमीनों से कूड़ा हटाने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के आदेश दिए गए। मुख्यमंत्री ने प्रदूषण नियंत्रण में लापरवाही बरतने पर कई विभागों पर नाराजगी जताई। उन्होंने डीपीसीसी को निर्देश दिया कि प्रदूषण और सफाई से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी सरकारी संस्थान को बख्शा न जाए। बिना इजाजत रोड कटिंग करने और समय पर पैचवर्क न करने वाली एजेंसियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का भी आदेश दिया गया है।

● **प्रदूषण नियंत्रण के लिए उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित**

उधर, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि '311 ग्रीन ऐप' को और अधिक सशक्त किया गया है, जिसके माध्यम से ग्रीन वॉर रूम राजधानी के डस्ट हॉटस्पॉट्स व ब्राउन एरिया पर नजर रखेगा। उन्होंने कहा कि अगले छह महीनों के लिए एक समग्र कार्य योजना तैयार की जा रही है, जिसमें बीएस-IV से नीचे के वाहनों पर सख्त कार्रवाई, ई-ऑटो को बढ़ावा और ब्राउन एरिया में धूल नियंत्रण जैसे उपाय शामिल हैं। सिरसा ने बताया कि दिल्ली में मिस्ट स्प्रे सिस्टम से अच्छे परिणाम मिले हैं, जिसे अब बड़े पैमाने पर लागू किया जाएगा। एमसीडी को अपनी 8000 किमी सड़कों को पॉटहोल-फ्री और डस्ट-फ्री बनाने का आदेश दिया गया है।

इसके अलावा 1000 वैक्यूम बेस्ड लिटर पिकर्स और 100 मैकेनिकल रोड स्वीपर्स अगले 45 दिनों में तैनात किए जाएंगे। सरकार ने निर्माण स्थलों पर 48 घंटे के भीतर फेंसिंग और सभी प्रदूषण नियंत्रण नियम लागू करने को अनिवार्य कर दिया है। डंप साइटों की सफाई भी तेज गति से की जा रही है ताकि आने वाले महीनों में अधिकतर साइटों को पूरी तरह साफ किया जा सके।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने बताया कि राजधानी में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति बनाई जा रही है। इसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, आईआईटी विशेषज्ञ और पर्यावरण वैज्ञानिक शामिल होंगे। कमेटी को विशेष अधिकार दिए जा रहे हैं, ताकि प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कदम प्रभावी तरीके से लागू किए जा सकें।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

SIR एक घातक ड्रामा

क्या संसद में भी 'ड्रामा' होता है? बेशक हमने संसद के भीतर हंगामे, हुल्लड़बाजी, आसन की ओर किताब फेंकना या सभापति का माइक तोडने की कोशिश करना, मेज पर चढ़ कर नृत्य करना आदि अराजकताएं और अनुशासनहीनता तो देखी हैं। वे शाश्वत हैं, क्योंकि विपक्ष ऐसा ही व्यवहार करता रहा है। यही उसकी संवैधानिकता मान ली गई है। भाजपा बिल्कुल भी अछूती नहीं है। संसद में हंगामा और कई-कई दिनों तक कार्यवाही को बाधित करने के उसके भी कीर्तिमान दर्ज हैं। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को निशाना बनाते हुए, उस पर तंज करते हुए, कहा है कि संसद ड्रामा की जगह नहीं है। ड्रामे के लिए पूरा देश खाली पड़ा है। संसद में तो 'डिलीवरी' होनी चाहिए। हम भी मानते हैं कि संसद में राष्ट्र-निर्माण के निर्णय लिए जाने चाहिए, लेकिन 12 मिनट में 4 विधेयक पेश कर दिए जाएं और एक पारित भी कर लिया जाए, तो यह कौन-सा ड्रामा है? याद करें, संसद के मानसून सत्र के दौरान करीब 15 मिनट में 12 बिल पारित कर लिए गए थे। ऐसा कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी होता रहा है, जब मिनटों में ही बिल पारित कर लिए गए। इस 'हम्माम' में सभी मौजूद हैं। कमोबेश यह संसदीय प्रणाली नहीं, संसद के नाम पर 'ड्रामा' है। संसद पक्ष-विपक्ष की आपसी विरोधी चर्चाओं, आरोपों-प्रत्यारोपों का सबसे बड़ा, गणतांत्रिक मंच है, क्योंकि सभी निर्वाचित सांसद होते हैं। प्रधानमंत्री भी पूरे देश के, विपक्ष के भी, प्रधानमंत्री हैं, लिहाजा उन्हें निर्वाचित सांसदों के लिए गरिमामय, शालीन, सौम्य, संसदीय भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। 'ड्रामा' ऐसा शब्द नहीं है। चुनावी पराजय की हताशा, झुंझलाहट, कुंठा आदि की बात भी राजनीतिक या चुनावी मंचों तक ही सीमित रखनी चाहिए। संसद के मायने ही अलग हैं। दरअसल 'ड्रामा' तो 'एसआईआर' (विशेष गहन पुनरीक्षण) और चुनाव आयोग के नाम पर खेला जा रहा है। बीते कल एक वीडियो टीवी चैनलों पर प्रसारित होता रहा। उप्र के एक बीएलओ ने आत्महत्या से पहले यह वीडियो बनाया था। वीडियो में बीएलओ अपनी मां से बार-बार माफी मांग रहा है और चार छोटी-छोटी बेटियों का ख्याल रखने की गुहार कर रहा है। वह व्यक्ति लगातार रो रहा है। कमोबेश इससे ज्यादा मार्मिक और पीड़ित दृश्य नहीं हो सकता, लेकिन ऐसी आत्महत्याओं के बाद भी चुनाव आयोग दावे करता रहा है कि सब कुछ 99 फीसदी हो रहा है। लानत है ऐसी संवैधानिक व्यवस्था पर! संसद में ड्रामा यह किया गया है कि 14 दिसंबर, 1988 की तत्कालीन स्पीकर बलराम जाखड़ (प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे) की रूलिंग का हवाला देते हुए सरकार ने संसद में एसआईआर और चुनाव आयोग की भूमिका पर, किसी भी नियम के तहत, चर्चा कराने से इंकार कर दिया है। क्या स्पीकर की रूलिंग और चुनाव आयोग सरीखी संवैधानिक, स्वायत्त संस्था संसद के लिए कोई संवैधानिक विवशता है कि उन्हें लांघा नहीं जा सकता? संसद सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले को तो पलट सकती है, लेकिन स्पीकर की रूलिंग लक्ष्मण-रेखा है।दरअसल कोई संवैधानिक बाध्यता अथवा लकीर नहीं है। चुनाव आयोग का बजट संसद पारित करती है। कानून मंत्रालय इसे पेश करता है।

भारतीय नौसेना दिवस पर विशेष:

भारत की नीली सीमाओं की अजेय प्रहरी भारतीय नौसेना

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे।

-योगेश कुमार गोयल-

आज हर वर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद

नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना 4 दिसंबर 2025 को तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम बीच पर नौसेना दिवस को भव्य और अद्वितीय ऑपरेशनल प्रदर्शन के रूप में मना रही है। यह आयोजन न केवल 1971 के ऐतिहासिक युद्ध विजय को स्मरण करेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की उभरती सामरिक शक्ति और बढ़ते समुद्री प्रभाव का भी प्रतीक बनेगा। इस अवसर पर सतह पोतों, पनडुब्बियों और हवाई युद्धक क्षमताओं का शानदार संगम देखने को मिलेगा, जो नौसेना की बहु-क्षेत्रीय तत्परता और सटीक सैन्य संचालन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। पूरे प्रदर्शन का केंद्रबिंदु आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना होगी। स्वदेशी जहाजों, हथियार प्रणालियों और तकनीकी प्लेटफॉर्म की प्रस्तुति यह स्पष्ट संदेश देगी कि भारतीय नौसेना 'मेक इन इंडिया' की आत्मा को वास्तविक शक्ति में बदल रही है। यह आयोजन न केवल तकनीकी उत्कृष्टता, संसाधन क्षमता और ऊर्जावान रणनीतिक सोच का परिचायक बनेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत को 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' के रूप में स्थापित करने की नौसेना की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा। यह भव्य प्रदर्शन उन वीर पुरुषों और महिलाओं को नमन है, जो अनुशासन, साहस और राष्ट्रनिष्ठा के साथ समुद्री सीमाओं की रक्षा करते हैं। यह भारतीय नौसेना को एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए सदा तत्पर बल के रूप में स्थापित करने का सशक्त घोष है।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

संस्कृत का भारतीय संस्कृति के लिए महत्त्व

-डा. वरिंद्र भाटिया-

आज भारत के विद्यालयों तथा अनेक निजी संस्थानों में संस्कृत विषय को पुनरीक्षण, सामाजिक व्यवहार, संगीत, योग आदि से भी जोड़ा जा रहा है। संस्कृत भाषा की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसे कम्प्यूटर और कृत्रिम बुद्धि के लिए सबसे उपयुक्त भाषाओं में से एक माना जाता है। शोध से पता चला है कि संस्कृत पढ़ने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। संस्कृत भाषा के महत्व को इस बात से भी समझा जा सकता है कि ये भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में आधिकारिक भाषाओं में से एक है। इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और ओडिया के साथ भारत की 6 शास्त्रीय भाषाओं में से एक माना जाता है।

संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा है। तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने हाल ही में भारतीय संस्कृति की शिरोमणि भाषा संस्कृत को एक मृत भाषा कहा है। उनके इस वक्तव्य को लेकर पूरे देश मे आक्रोश देखा जा रहा है। ऐसा लगता है कि स्टालिन संस्कृत के भारतीयता के लिए महत्व को लेकर कम ज्ञान रखते हैं। उनको, और भी अनेकों को विश्व की अनेक भाषाओं की जननी संस्कृत के महत्व के बारे में ज्ञान हमारा नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा है, जिसका अर्थ 'संस्कारित' है। यह सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है और हिंद-यूरोपीय भाषा परिवार की हिन्द-आर्य शाखा से संबंधित है। इसे देवभाषा भी कहते हैं और यह कई आधुनिक भारतीय भाषाओं जैसे हिंदी, मराठी, बंगाली, नेपाली आदि अनेक भाषाओं की जननी है। संस्कृत हिंदू, बौद्ध और जैन धर्मों की एक महत्वपूर्ण दार्शनिक और पवित्र भाषा रही है। इसका साहित्य विश्व के सबसे समृद्ध साहित्य में से एक है। महर्षि पाणिनि जैसे विद्वानों ने इसका वैज्ञानिक और सुस्पष्ट व्याकरण तैयार किया है। इसमें एकवचन और बहुवचन के साथ-साथ द्विवचन का भी प्रयोग होता है। प्राचीन काल से ही संस्कृत भाषा का प्रसार विदेशों में होता रहा है। विभिन्न सांस्कृतिक, धार्मिक, व्यापारिक और बौद्धिक आदान-प्रदान की वजह से यह भाषा विदेशों में भी पहुंची। प्राचीन भारत में जब बौद्ध और जैन धर्म का प्रसार हुआ, तो उसके साथ संस्कृत ग्रंथ भी मध्य एशिया, चीन, तिब्बत, जापान, कोरिया और दक्षिण-पूर्व एशिया (जैसे थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम) तक पहुंचे।

बौद्ध भिक्षुओं ने संस्कृत में लिखे गए सूत्रों और शास्त्रों का अनुवाद किया और इसे विदेशों में ले गए। गुप्त काल में भारत की राजकीय भाषा संस्कृत थी। अंग्रेजों के आने से पहले तक दक्षिण के विद्वान जब उत्तर भारत में आते थे तो संस्कृत भाषा में बातचीत हुआ करती थी। इसी तरह से उत्तर भारत के विद्वान जब दक्षिण भारत में जाया करते थे तो संस्कृत में बात होती थी। हमारा सारा प्राचीन इतिहास जैसे महाभारत, रामायण, वेद, ज्योतिष के ग्रन्थ, योग के ग्रन्थ, आयुर्वेद इत्यादि सब मूल रूप से संस्कृत में लिखे गए हैं, अतः शिक्षा संस्कृत में हुआ करती थी। माना जाता है कि चीनी यात्री ह्वेनसांग और फाहियान ने संस्कृत ग्रंथों को चीन में प्रचारित किया। इसके अलावा प्राचीन भारत के व्यापारी और नाविक दक्षिण-पूर्व एशिया (जैसे इंडोनेशिया, मलेशिया, बाली) में गए, जिसकी वजह से उन्होंने हिंदू धर्म और संस्कृत साहित्य को इन देशों में प्रसारित किया। रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथ पूरी दुनिया को प्रभावित करते हैं। ये मूल रूप से संस्कृत में ही थे, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता मिली। जैसे इंडोनेशिया में काकाविन रामायण और खमेर साम्राज्य (कंबोडिया) में अंगकोर वाट जैसे मंदिरों में संस्कृत शिलालेख मिलते हैं।

तिब्बत में बौद्ध धर्म के साथ संस्कृत ग्रंथों का तिब्बती भाषा में अनुवाद हुआ। इसके अलावा श्रीलंका, नेपाल, भूटान और तिब्बत में संस्कृत का प्रसार धार्मिक और साहित्यिक आदान-प्रदान के माध्यम से हुआ। प्राचीन काल में नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्र पढने आते थे। इन छात्रों के माध्यम से भी संस्कृत भाषा विदेशों में पहुंची। उदाहरण के लिए, चीनी यात्री यी-जिंग ने नालंदा में संस्कृत सीखी। संस्कृत भाषा विशेष रूप से जर्मनी, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान, चीन, भूटान, इजरायल, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, रूस, स्वीडन और स्विट्जरलैंड में पढ़ाई जाती है। संस्कृत का प्राचीन इतिहास हमें लगभग 3500 वर्ष पूर्व तक ले जाता है।

वैदिक सभ्यता के निर्माण काल में इसकी ध्वनि गूंजती थी। ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, उपनिषद, ब्राह्मण, आरण्यक, स्मृति, पुराण, महाकाव्य, नाटक, अलंकार, इन सबका मूल आधार संस्कृत ही रही है। संस्कृत की उच्च स्थिति केवल भारत तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि यह प्राचीन काल में दक्षिण एशिया, पूर्वी एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य एशिया के अभिजात्य वर्ग, शासन, दर्शन और साहित्य की भी भाषा बनी। संस्कृत के बिना भारत का दर्शन, काव्य, तंत्र, विज्ञान, चिकित्सा, गणित, नीतिशास्त्र, व्याकरण- सभी शून्य हो जाता। संस्कृत भाषाई विकास की जननी मानी जाती है, जिससे देश की अनेक बोलियों, भाषाओं ने जन्म लिया। संस्कृत, जो कभी केवल मंदिरों, यज्ञों या विद्वानों तक सीमित थी, आज फिर से भारतीय और वैश्विक मंचों पर नई पहचान बना रही है।

कर्नाटक के मत्तूर, होसाहल्ली, झिरी (राजस्थान), सासन, गनोड़ा (गुजरात), पथरी (मध्य प्रदेश), कोशावल्ली (कर्नाटक) और देश के अन्य गांवों में संस्कृत जीवन का अंग है। मत्तूर और होसाहल्ली जैसे गांवों में तो दैनिक व्यवहार, शिक्षा, पूजा-पाठ, यहां तक कि छोटे व्यापार भी संस्कृत में होते हैं। इसके परे, जर्मनी, अमेरिका, रूस, स्विट्जरलैंड आदि देशों के विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जा रही है। अमेरिका में संस्कृत हेतु विश्वविद्यालय भी स्थापित है और विश्वभर में संस्कृत से जुड़े शोध, जागरण व प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहे हैं। संस्कृत की वैज्ञानिक संरचना इसे कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, भाषा विज्ञान, मनोविज्ञान, संगणक विज्ञान, मशीनी अनुवाद जैसे क्षेत्रों में भी उपयुक्त बना रही है।

नासा, अमेरिकी विश्वविद्यालय तथा भारत के कम्प्यूटर वैज्ञानिक संस्कृत आधारित डेटा प्रोसेसिंग और कृत्रिम मेधा के लिए इसकी व्याकरणिक संरचना पर शोध कर रहे हैं। आज भारत के विद्यालयों तथा अनेक निजी संस्थानों में संस्कृत विषय को पुनरीक्षण, सामाजिक व्यवहार, संगीत, योग आदि से भी जोड़ा जा रहा है। संस्कृत भाषा की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसे कम्प्यूटर और कृत्रिम बुद्धि के लिए सबसे उपयुक्त भाषाओं में से एक माना जाता है। शोध से पता चला है कि संस्कृत पढने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। संस्कृत भाषा के महत्व को इस बात से भी समझा जा सकता है कि ये भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में आधिकारिक भाषाओं में से एक है। इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और ओडिया के साथ भारत की 6 शास्त्रीय भाषाओं में से एक माना जाता है। संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा है।

बच्चों के खुशहाल भविष्य के लिए घर रखें फेंगशुई गाय

धर्मकर्म

भारतीय संस्कृति में गाय को मां का दर्जा प्राप्त है। ऐसी मान्यता है कि जिस जगह पर बैठकर गाय सांस लेती है उस जगह के आसपास मौजूद सभी वास्तु दोष समाप्त हो जाते हैं। वास्तु और फेंगशुई दोनो के अनुसार गाय को घर में रखना शुभ माना जाता है। मगर अब शहरों में रहने वाले लोगों के लिए असली गाय को घर में रख पाना आसान काम नहीं है। ऐसे में वास्तु के अनुसार आप अपने घर में पीतल या फिर सफेद और गोल्डन रंग से बनी पत्थर की गाय रखकर भी घर के वास्तु दोष दूर कर सकते हैं।

नए जीवन की शुरुआतः पिछले समय में जब भी कोई नए घर का निर्माण करता था तो सबसे पहले उस जगह पर गाय लाकर बांध दी जाती थी, ताकि उस जगह पर मौजूद सभी वास्तु दोष खत्म हो जाए और घर निर्माण से जुड़े सभी कार्य बिना किसी अड़चन के पूरे किए जा सकें। ऐसे में यदि आप भी नए घर में प्रवेश या फिर निर्माण करने जा रहे हैं तो उस जमीन या फिर जगह पर पीतल या फिर सफेद और गोल्डन रंग की गाय जरूर रखें ताकि उस जगह की सारी नेगेटिव एनर्जी समाप्त हो जाए।

बच्चों की शिक्षाः अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा विदेश जाकर पढ़ाई-लिखाई करे, तो आज से ही उसके कमरे में पीतल से बनी गाय की मूर्ति स्थापित करें। ऐसा करने से न केवल आपका बच्चा उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाएगा बल्कि पढाई-लिखाई में उसका ध्यान भी अच्छे से केंद्रित होगा।

मानसिक शांतिः वास्तु के अनुसार गाय मानसिक शांति और आपकी हर मनोकामना पूरी करने की ताकत अपने पास रखती है। शायद यही वजह है कि गाय को मां का दर्जा प्राप्त है। यदि आप अपने घर के मंदिर या फिर कहीं भी सफेद और गोल्डन रंग की गाय रखते हैं तो इससे आप और आपके परिवार को मानसिक शांति और सुख का एहसास हर दम रहेगा।

संतान प्राप्तिः यदि आप घर में बछड़े को दूध पिलाती गाय घर में रखते हैं तो संतान का सुख आपको बहुत जल्द प्राप्त होता है। साथ ही पैदा होने वाली संतान संस्कारी और भरपूर गुणों वाली भी होती है।

आज का इतिहास

1639 - अंग्रेजी खगोलशास्त्री जेरेमिया हॉरोक्स ने पहले ऑब्जर्वेशन को शुक्र का पारगमन बना दिया।

1748 - फ्रांस के रसायन शास्त्री बर्टले का जन्म हुआ। उन्होंने विभिन्न प्रकार के नमकों के बारे में शोध कार्य किया।

1783 - अमेरिकी जनरल जॉर्ज वाशिंगटन ने औपचारिक रूप से अपने अधिकारियों को न्यूयॉर्क शहर के फ्रैंन्स टैवन में विदाई दी।

1786 - मिशन सांता बारबरा की स्थापना पाद्री फर्मिन लस्यूएन ने कैलिफोर्निया में स्पेनिश मिशन के दसवें हिस्से के रूप में की थी।

1791 - द ऑब्जर्वर का पहला अंक, दुनिया का पहला रविवार का अखबार, लंदन में प्रकाशित हुआ।

1833 - आर्थर तप्पान द्वारा फिलाडेल्फिया में अमेरिकी एंटी-स्लेवरी सोसाइटी गठित की गयी।

1859 - मेकटेब-ए मुल्कियाय स्कूल ओटोमन साम्राज्य में स्थापित किया गया।

1872 - अमेरिकी ब्रिगेंटाइन मैरी सेलेस्टे को स्पष्ट रूप से उन परिस्थितियों में छोड़ दिया गया था जो आज तक अज्ञात हैं।

1881 - लॉस एंजिल्स टाइम्स का पहला संस्करण में प्रकाशित किया गया।

1893 - पहले Matabele War-A का गश्ती दल ब्रिटिश साउथ अफ्रीका कंपनी के सैनिकों पर घात लगाकर किया गया था और 3,000 से अधिक Matabele योद्धाओं ने उनका सफाया कर दिया था।

1899 - पहली बार टाफॉइड का टीका मनुष्य को इस बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए प्रयोग किया गया।

1909 - पहला ग्रे कप खेल, कैनेडियनफुटबॉल लीग का चैम्पियनशिप खेल आयोजित किया गया था।

1909 - दुनिया के सबसे पुराने पेशेवर आइस हॉकी क्लब मॉन्ट्रियल कैनाडीन्स को राष्ट्रीय हॉकीअभियान के चार्टर सदस्य के रूप में स्थापित किया गया था।

1937 - के फ्रांसिस अभिनीत राजनीतिक नाटक फिल्म फर्स्ट लेडी जारी की गई।

असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध एवं सामाजिक सुधार की दिशा में एक निर्णायक कदम

-कांतिलाल मांडोत-

असम विधानसभा में बहुविवाह पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने संबंधी बहुप्रतीक्षित विधेयक का पारित होना राज्य की सामाजिक, कानूनी और महिला सुरक्षा संबंधित बहसों में एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना, विवाह संस्था को कानूनी रूप से अधिक मजबूत बनाना और समाज में व्याप्त उन कुप्रथाओं को समाप्त करना है, जो महिलाओं की गरिमा और समानता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती रही हैं। यह कानून केवल किसी एक धर्म या समुदाय विशेष को लक्ष्य करके नहीं लाया गया है, बल्कि इसे सभी समुदायों पर समान रूप से लागू किया जाएगा। हालांकि, संविधान में विशेष रूप से संरक्षित अनुसूचित जनजातियों तथा छठी अनुसूची वाले स्वायत्त परिषद क्षेत्रों को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है, ताकि उनकी पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं और सांस्कृतिक पहचानों को सुरक्षित रखा जा सके।

असम सरकार का कहना है कि यह कदम केवल बहुविवाह की सामाजिक समस्या तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों और सम्मान को सुनिश्चित करने का एक व्यापक प्रयास है। सरकार ने दावा किया है कि यह विधेयक समाज में व्याप्त उन स्थितियों को बदलने में मदद करेगा, जिनमें महिलाएं अक्सर आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से कमजोर स्थिति में आ जाती हैं। विवाह जैसी पवित्र सामाजिक संस्था के नाम पर कई बार महिलाओं को उपेक्षा, आर्थिक शोषण और मनोवैज्ञानिक यातना का सामना करना पड़ता है। बहुविवाह की स्थिति में यह समस्या और गंभीर हो जाती है, विशेषकर तब जब पत्नी और बच्चों के लिए कानूनी सुरक्षा तंत्र स्पष्ट रूप से उपलब्ध न हो।

इस विधेयक में बहुविवाह को दंडनीय अपराध घोषित किया गया है और इसके तहत दोषी पाए जाने पर दस साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है। इस कड़े दंड का उद्देश्य समाज में संदेश देना है कि अब राज्य में एक से अधिक विवाह को सहन नहीं किया जाएगा और जो भी इस कानूनी प्रावधान का उल्लंघन करेगा, उसे कठोर दंड भुगतना होगा। सरकार का यह मानना है कि यदि महिलाओं को सामाजिक और वैवाहिक रिश्तों में समान दर्जा देना है, तो इस तरह के सख्त प्रावधान आवश्यक हैं।

विधानसभा में जब यह विधेयक पेश किया गया, तब विपक्ष की ओर से कुछ सवाल भी उठाए गए। सीपीआई (एम) और एआईयूडीएफ जैसे दलों ने विधेयक में कुछ संशोधन प्रस्तावित किए थे, जिन्हें अंततः सरकार ने वापस लेने की अपील की। सरकार का तर्क था कि विधेयक का मुख्य उद्देश्य किसी भी समुदाय को लक्षित करना नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के कल्याण से जुड़ा हुआ एक व्यापक सामाजिक सुधार है। सरकार ने स्पष्ट किया कि यह कदम किसी भी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि उन विकृतियों के खिलाफ है, जिनका परिणाम वर्षों से महिलाओं को सहना पड़ रहा है।

असम सरकार ने इसके साथ ही यह भी कहा कि यह विधेयक समान नागरिक संहिता यूनिफॉर्म सिविल कोड की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक कदम हो सकता है। असम उन राज्यों में शामिल है, जहां यूसीसी लागू करने को लेकर गंभीरता से विचार चल रहा है। बहुविवाह प्रतिबंध विधेयक को सरकार ने इसी संदर्भ में एक प्रारंभिक सामाजिक सुधार के रूप में प्रस्तुत किया। राज्य सरकार का मानना है कि जब तक विवाह, तलाक और उत्तराधिकार से जुड़े कानून सभी नागरिकों के लिए समान नहीं होंगे, तब तक समानता और न्याय का वास्तविक अर्थ प्राप्त नहीं किया जा सकता। हालांकि, यह भी स्पष्ट है कि यूसीसी पर अंतिम निर्णय केंद्र सरकार के स्तर पर होगा, फिर भी असम का यह कदम अन्य राज्यों के लिए एक नजीर की तरह देखा जा रहा है।

इस विधेयक में 'लव जिहाद' के संदर्भ में भी कुछ कानूनी प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिन्हें लेकर व्यापक बहस हुई। सरकार ने स्पष्ट किया कि इसका उद्देश्य किसी भी विशेष समुदाय को निशाना बनाना नहीं बल्कि विवाह के नाम पर धोखाधड़ी, जबरन धर्म परिवर्तन या छिपाकर रखी गई पहचान के आधार पर होने वाले शोषण को रोकना है। राज्य में ऐसी घटनाओं को रोकने और महिलाओं को ठगी, दबाव या सामाजिक छल से बचाने के लिए यह प्रावधान आवश्यक माना गया है। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी व्यक्ति के व्यक्तिगत अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता को संविधान द्वारा प्रदत्त सीमाओं में सुरक्षित रखा जाए।

असम में बहुविवाह का मुद्दा केवल कानूनी रूप से ही नहीं बल्कि सामाजिक रूप से भी लंबे समय से चर्चा में रहा है। कई ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, जहां आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को बहुविवाह की स्थिति में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पति के संसाधन कई परिवारों में विभाजित हो जाने से पत्नी और बच्चों के लिए जीवन कठिन हो जाता है। कई महिलाएं अपने अधिकारों और कानूनी सुरक्षा के बारे में जागरूक नहीं होतीं, जिससे उनका शोषण और गहरा होता जाता है।

इस विधेयक के समर्थक इसे समय की मांग मानते हैं। उनका कहना है कि देश बदल रहा है, महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, ऐसे में विवाह संस्था को भी समानता और न्याय के आधार पर मजबूत करने कीआवश्यकता है। एक पत्नी को छोड़ दूसरी शादी करना जहां महिलाओं के आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाता है, वही यह समाज में असमान रिश्तों को जन्म देता है। इस कानून से एक मजबूत संदेश जाएगा कि विवाह एक साझेदारी है, न कि किसी भी समय त्यागकर दूसरी ओर मुड़ जाने की सुविधा का साधन। हालांकि इस विधेयक का कुछ समूह विरोध भी कर रहा है। उनका तर्क है कि पहले से ही भारतीय दंड संहिता और विवाह अधिनियम में कई प्रावधान मौजूद हैं, इसलिए नए कानून की आवश्यकता नहीं है। कुछ विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि कानून जितना कठोर होगा, उतनी ही जरूरत उसके सही क्रियान्वयन की भी होगी। वास्तविक परिणाम तभी मिलेंगे, जब महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगी और न्यायिक व्यवस्था भी त्वरित एवं संवेदनशील तरीके से कार्य करेगी।

इसके बावजूद, असम सरकार का मानना है कि यह ऐतिहासिक कानून महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस विधेयक के पारित होने के बाद राज्य में वैवाहिक पंजीकरण की प्रक्रिया को और सख्त किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर विवाह का पंजीकरण अनिवार्य हो, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की कानूनी जटिलता कम हो सके। पंजीकरण न कराने पर भी दंड का प्रावधान किया गया है, जिससे विवाह व्यवस्था पारदर्शी और न्यायसंगत बने।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

आंध्र प्रदेश की रेल कनेक्टिविटी परियोजनाओं में तेजी

मछलीपट्टनम बंदरगाह को दक्षिण भारत से जोड़ने पर विशेष जोर: रेल मंत्री वैष्णव

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को आंध्र प्रदेश में जारी रेल कनेक्टिविटी परियोजनाओं, विशेषकर मछलीपट्टनम बंदरगाह से जुड़ी लाइनों की प्रगति पर कहा कि रेपल्ले-बापटल-मछलीपट्टनम रेल अलाइनमेंट अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सीधे मछलीपट्टनम पोर्ट को दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा। मंत्री ने बताया कि इस परियोजना को उच्च प्राथमिकता दी गई है और इसका डीपीआर तैयारी के चरण में है।

रेल मंत्री ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान स्पष्ट किया कि मछलीपट्टनम पोर्ट को विजयवाड़ा के माध्यम से जोड़ने वाली रेल कनेक्टिविटी में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। विजयवाड़ा-मछलीपट्टनम डबलिंग कार्य पूरा हो चुका है। विजयवाड़ा-तेनाली थर्ड लाइन का काम जारी है। इसके साथ ही गुडिवाडा-दुग्गिराला रूट का सर्वेक्षण प्रगति पर है। रेपल्ले-बापटल खंड के लिए डीपीआर तैयार किया जा रहा है, जबकि गुडिवाडा-भीमावरम-नरसापुरम खंड की डबलिंग का काम भी पूरा हो चुका है।

मंत्री ने रेखांकित किया कि रेलवे बजट में हुई भारी बढ़ोतरी ने आंध्र प्रदेश में बुनियादी ढांचा विकास को नई गति दी है। उन्होंने बताया कि साल 2014 से पहले संयुक्त आंध्र-तेलंगाना राज्य को मिलाकर कुल रेलवे बजट मात्र 886 करोड़ रुपये था, जबकि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश को अकेले 9,417 करोड़ रुपये का रेल बजट दिया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि बजट में यह अभूतपूर्व वृद्धि आंध्र प्रदेश में रेल परियोजनाओं को तेजी देने के साथ-साथ राज्य के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

गतिशक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल्स से औद्योगिक विकास और कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि रेलवे की गतिशक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल्स (जीसीटी) पहल देश में औद्योगिक विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता को नई गति दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के विजन के अनुरूप अब तक 130 गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल्स विकसित किए जा चुके हैं। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विभिन्न परिवहन मॉडलों को जोड़ने की जो पहल की है, उसी सोच के तहत रेलवे ने गतिशक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल्स का अत्यंत प्रभावी मॉडल तैयार किया है। यह नीति उद्योगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों का उल्लेख सांसदों ने किया है, वहां भी औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। यदि 30-40 किमी का कोई कनेक्टिंग सेक्शन आवश्यक होता है तो उसे भी इस कार्यक्रम के तहत विकसित किया जा सकता है। रेल मंत्री ने सुझाव दिया कि सांसद, राज्य सरकार और रेलवे अधिकारी मिलकर संबंधित ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर बैठक करें। अश्विनी वैष्णव ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी अन्य रेल परियोजना की अलाइनमेंट को आवश्यकतानुसार बदला जा सकता है, इसमें कोई कठोर बाध्यता नहीं है। प्रधानमंत्री कार्यालय का नया नाम 'सेवा तीर्थ' होने का उल्लेख करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि यह नाम इस सरकार की जनता की सेवा के प्रति समर्पित भावना को दर्शाता है और हम उसी भावना के साथ कार्य कर रहे हैं। इसके मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

भारत में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत, मोबाइल-कनेक्टिविटी और ब्रॉडबैंड उपयोग में बड़ी वृद्धि

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में डिजिटल और मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए दूरसंचार क्षेत्र में बैंक गारंटी, स्पेक्ट्रम शुल्क और टेलीकॉम लाइसेंस जैसी प्रक्रियाओं को आसान बनाया है। साथ ही ग्राहकों के डेटा को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखा, टेलीकॉम टावरों की मंजूरी प्रक्रिया सरल की और विदेशी निवेश के लिए अधिक सुविधा प्रदान की। इन सुधारों से ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क एवं बेस ट्रांसिवर स्टेशनों का विस्तार हुआ, ब्रॉडबैंड और मोबाइल सेवाओं का दायरा बढ़ा और डेटा खपत में बढ़ोतरी हुई है। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में डिजिटल पहुंच बढ़ाने के लिए डिजिटल भारत निधि के तहत 4जी सैचुरेशन प्रोजेक्ट और संशोधित भारतनेट कार्यक्रम लागू किए गए हैं।

संचार एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने लोकसभा में लिखित उत्तर में बताया कि सरकार ने दूरसंचार क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई नीतिगत और प्रशासनिक सुधार किए हैं। इन सुधारों में बैंक गारंटी और स्पेक्ट्रम शुल्क जैसी प्रक्रियाओं को आसान बनाना, विदेशी निवेश के लिए 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देना, ग्राहक डेटा को डिजिटल रूप में रखना और टेलीकॉम टावरों की मंजूरी दी गई है। सरकार के इन कदमों से मार्च 2018 में देश में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क की लंबाई 17.5 लाख किलोमीटर थी, जो अब सितंबर 2025 तक बढ़कर 42.36 लाख किलोमीटर हो गई है।

इसी अवधि में बेस ट्रांसिवर स्टेशनों की संख्या 17.3 लाख से बढ़कर 31.4 लाख हो गई है। देश के 6,44,131 गांवों में से अब 6,34,019 गांव मोबाइल कवरेज में हैं, जिनमें से 6,30,676 गांवों में 4जी सेवा उपलब्ध है। ब्रॉडबैंड सदस्यता 48 करोड़ से बढ़कर 98 करोड़ हो गई है।

साथ ही पीएम वाणी के तहत 3.80 लाख वाई-फाई हॉटस्पॉट पूरे देश में लगाए जा चुके हैं। मोबाइल डेटा की खपत भी लगातार बढ़ रही है। सितंबर 2018 में प्रति ग्राहक मासिक डेटा खपत 8.32 जीबी थी, जो सितंबर 2025 में 25.24 जीबी तक पहुंच गई है। इस दौरान डेटा की औसत कीमत प्रति जीबी घटकर 10.91 रुपए से 8.27 रुपए रह गई है।

हिमाचल प्रदेश से जुड़ी रेलवे परियोजनाएँ अटकीं अनुराग ठाकुर ने राज्य सरकार के 'सहयोग की कमी' पर लोकसभा में जताई चिंता

शिमला। हमीरपुर से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में हिमाचल प्रदेश से जुड़े महत्वपूर्ण रेलवे एवं इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में राज्य सरकार के सहयोग की कमी को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समय पर फंडिंग, ज़मीन उपलब्ध कराने और आवश्यक मंज़ूरी न देने के कारण कई प्रोजेक्ट्स वर्षों से अटके हुए हैं।

लोकसभा में उनके द्वारा पूछे गए बिना तारांकित सवालों के लिखित उत्तर में रेल मंत्रालय ने साफ कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित वादों को पूरा न करना और ज़रूरी सहयोग न देना प्रोजेक्ट्स की देरी की मुख्य वजह है। मंत्रालय के अनुसार भानुपली-बिलासपुर-बेरी नई लाइन पर अब तक 5,252 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जबकि राज्य सरकार का 1,843 करोड़ रुपये का हिस्सा अब भी बकाया है। साथ ही, परियोजना के लिए आवश्यक 124.02 हेक्टेयर में से केवल 82 हेक्टेयर जमीन ही उपलब्ध कराई गई है, जिससे निर्माण कार्य सीमित दायरे में अटका हुआ है। रेल मंत्रालय ने बताया कि राज्य में मंजूर 214 किमी लंबाई की तीन नई लाइन परियोजनाओं (लागत 17,622 करोड़ रुपये) में से 64 किमी हिस्से पर काम पूरा हो चुका है और इन पर अब तक 8,280 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

वहीं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बिलासपुर-मनाली-लेह लाइन की डीपीआर तैयार हो चुकी है, जिसकी अनुमानित लागत 1,31,000 करोड़ रुपये है और इसे रक्षा मंत्रालय 'रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण' मान चुका है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार इन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन राज्य सरकार की उदासीनता प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बन रही है। उन्होंने राज्य सरकार से बकाया फंड तुरंत जारी करने, शेष भूमि जल्द उपलब्ध कराने और लंबित कानूनी मंजूरियों के लिए तेज़ प्रक्रिया अपनाने की अपील की। उन्होंने केंद्र, राज्य और रेलवे अधिकारियों की एक संयुक्त मॉनिटरिंग सेल बनाने की मांग भी रखी, जो हर दो हफ्ते में बैठक कर प्रगति की समीक्षा करे।

'GOADH फाउंडेशन' का 'बेटी बचाओ-बेटी सम्मान' राष्ट्रीय अभियान शुरू

कन्या भ्रूण हत्या रोकने की दिशा में बड़ा कदम, सांसद ममता मोहंता ने किया शुभारंभ

नई दिल्ली। राजधानी के डॉ. बी.आर. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सोमवार को GOADH फाउंडेशन ने कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ देशव्यापी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'बेटी बचाओ-बेटी सम्मान' राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए समाजसेवियों, NGO प्रतिनिधियों और अनेक जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं GOADH फाउंडेशन की चेयरपर्सन ममता मोहंता ने कहा कि बेटियों का संरक्षण और समान अधिकार राष्ट्र निर्माण की

● कार्यक्रम में कई सांसदों, शिक्षाविदों और समाजसेवियों ने की भागीदारी, हर गांव-शहर तक जागरूकता फैलाने का लिया संकल्प

बुनियाद है। उन्होंने कहा कि बेटी केवल परिवार की नहीं, पूरे समाज की शक्ति है। कन्या भ्रूण हत्या जैसे अपराध को समाप्त करने के लिए सरकार, समाज और युवाओं को मिलकर आगे आना होगा। मोहंता ने इस अभियान को देश के हर शहर, गांव और समुदाय तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध सामूहिक शपथ ली।

सभी अतिथियों ने अभियान की सराहना करते हुए महिलाओं और बच्चियों के अधिकारों के लिए संयुक्त प्रयास पर जोर दिया। GOADH फाउंडेशन ने घोषणा की कि इस मुहिम के तहत स्कूल-कॉलेज स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम, ग्रामीण क्षेत्रों में आउटरीच ड्राइव और महिलाओं-बच्चियों के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। फाउंडेशन के महासचिव वेंकटा के. गंजम ने कहा कि सरकारी संस्थाओं, NGOs और युवाओं के सहयोग से इस पहल को राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा।

प्रमुख हस्तियों की उपस्थितिकार्यक्रम में कई प्रमुख नेता और प्रतिष्ठित शख्सियतें मौजूद रहीं

- पूंगुलेटी सुधाकर रेड्डी, भाजपा राष्ट्रीय सह प्रभारी
- पी. बालाराम नाइक, सांसद (लोकसभा)
- धुल्लू महतो, सांसद (धनबाद)
- डॉ. गीता सिंह, निदेशक – दिल्ली विश्वविद्यालय
- अश्लेषा रेड्डी, उद्यमी
- कालीचरण सिंह, सांसद (चतरा)

रेणुका चौधरी की टिप्पणी पर भाजपा का हमला- कांग्रेस ने संसद की गरिमा को धूमिल किया

नई दिल्ली। सांसदों को लेकर कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी की टिप्पणी को भाजपा ने निंदनीय बताते हुए इसे संसद की गरिमा को धूमिल करने वाला बताया।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि कल पूरी संसद, उसके सांसदों को 'काटने वाला' कहना और 'काटने' को कुत्तों से जोड़ना, यह दर्शाता है कि कांग्रेस पार्टी पूरी संसद की गरिमा को कम करने के लिए सुनियोजित अभियान बन कर रह गई है। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस पार्टी भारतीय संसद की गरिमा को धूमिल करने के अभियान में क्यों लगी हुई है? क्या प्रधानमंत्री ने जो कहा वह सच है कि कांग्रेस 'मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस' बनती जा रही है?जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी को लेकर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बयान पर भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस में मुस्लिम लीग-माओवादी मानसिकता इस हद तक पहुंच गई है कि जब एक इस्लामी धर्मगुरु मौलाना मदनी 'जिहाद' शब्द का ज़िक्र करते हैं तो उनके नेता इमरान मसूद सफाई देने आ जाते हैं।

पंजाब में ड्रग डी-ऐडिक्शन सेंटर ड्रग तस्करी का अड्डा बना: स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने बुधवार को सदन में शून्यकाल के दौरान कहा कि पंजाब सरकार करोड़ों रुपये विज्ञापन पर खर्च कर रही है लेकिन उसका नतीजा शून्य है। उन्होंने कहा कि पंजाब में ड्रग डी-ऐडिक्शन सेंटर नशा छुड़वाने की जगह ड्रग तस्करी के अड्डे बन गए हैं। इस साल जुलाई में हुई ईडी की छापेमारी में यह सामने आया कि पंजाब में 22 ड्रग डी-ऐडिक्शन सेंटर ऐसे चल रहे हैं जहां से ड्रग्स की सप्लाई हो रही है।

स्वाति मालीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार बड़े-बड़े होर्डिंग्स और विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है लेकिन पंजाब आज भी ड्रग्स की चपेट में है। उन्होंने केंद्र सरकार से पूछा कि केंद्र सरकार कोई ऐसा कदम उठा सकती है जिससे ड्रग डी-ऐडिक्शन के लिए जो पैसा दिया जाता है, वह सही उद्देश्य में इस्तेमाल हो और पंजाब में ड्रग्स की समस्या को समाप्त किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब के ड्रग डी-ऐडिक्शन सेंटर अपने असली उद्देश्य नशा मुक्ति को पूरा करें। केंद्र सरकार की ओर से जवाब देते हुए केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने पंजाब में ड्रग्स की समस्या को स्वीकार करते हुए कहा कि उनका मंत्रालय पूरे देश में ड्रग डी-ऐडिक्शन का नोडल मंत्रालय है और ऐसे कई सेंटर चलाए जाते हैं।

जेलों में भी नशे का प्रचलन पाया गया है, जिसके लिए अकेले पंजाब की सभी केंद्रीय जेलों में 10 नशा मुक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं। सांसद मालीवाल की चिंता पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब में ड्रग्स की समस्या की समीक्षा करेगी और इसका समाधान करने की कोशिश की जाएगी।

आसियान देशों के लिए तैनात आईसीजी का 'विग्रह' जहाज जकार्ता बंदरगाह पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने आसियान देशों के लिए अपने जहाज 'विग्रह' को तैनात किया है, जो इस समय जकार्ता पहुंचा है। इंडोनेशिया के इस बंदरगाह पर 05 दिसंबर तक तैनाती के दौरान भारतीय नौसैनिक इंडोनेशियाई समुद्री सुरक्षा एजेंसी के साथ प्रोफेशनल बातचीत, टेबलटॉप एक्सरसाइज, शिपबोर्ड ड्रिल और जॉइंट ट्रेनिंग सेशन सहित कई अन्य तरह की गतिविधियों में हिस्सा लेंगे।

आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि जहाज की यह तैनाती पोर्ट कॉल एक्ट ईस्ट पॉलिसी, क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास और इंडो-पैसिफिक महासागर पहल के हिसाब से क्षेत्रीय साझेदारों के साथ समुद्री सहयोग बढ़ाने के लिए की गई है। इस यात्रा से क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन को बढ़ावा देने में दोनों देशों के तटरक्षक बलों में तालमेल बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि भारत-इंडोनेशिया समुद्री साझेदारी के लिए जुलाई, 2020 में एक समझौता किया गया था। यह ऐतिहासिक समझौता समुद्री कानून प्रवर्तन में ऑपरेशनल जुड़ाव और सहयोग का समर्थन करता है। उन्होंने बताया कि इस समुद्री कानून लागू को करने, मिलकर पेट्रोलिंग, सर्च और रेस्क्यू करने, समुद्री प्रदूषण से निपटने, समुद्री सूचनाएं साझा करने के लिए एक ढांचा बनाया गया है।

इस समझौते ने दोनों एजेंसियों के बीच लगातार बातचीत को मुमकिन बनाया है, जिससे संयुक्त समुद्री ऑपरेशन के दौरान बेस्ट प्रैक्टिस, प्रोफेशनल ट्रेनिंग और बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी का लेन-देन आसान हुआ है। भारतीय तटरक्षक बल के जहाज 'विग्रह' का दौरा इसी मुहिम को जारी रखने का प्रयास है और द्विपक्षीय ढांचे के तहत हुई ठोस प्रगति का प्रदर्शन है। तीन दिन के दौरे के दौरान दोनों देश समुद्री कानून प्रवर्तन, समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया और समुद्री खोज और बचाव पर ध्यान केंद्रित करेंगे। रवानगी से पूर्व दोनों तटरक्षक बलों के बीच पैसेज एक्सरसाइज परिचालन सामंजस्य, संचार प्रक्रिया और नाविक समन्वय को और बढ़ाएगी। भारत और इंडोनेशिया इंडो-पैसिफिक में समुद्री लोकतंत्र, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का नेतृत्व बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साइबर अपराधों पर लगाम के लिए संचार साथी ऐप की जरूरत पर केंद्रीय संचार मंत्री ने संसद में दिया जवाब

नई दिल्ली। साइबर अपराध, मोबाइल चोरी, फर्जी कनेक्शन और डिजिटल फ्रॉड के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच संचार साथी ऐप भारत की डिजिटल सुरक्षा के लिए बहुत अहम है।

इस एप को लेकर विपक्षी पार्टियों के सवालों पर केंद्र सरकार ने कहा कि संचार साथी न तो जासूसी का माध्यम है और न ही निगरानी का औजार, बल्कि यह नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए तैयार किया गया रियल-टाइम साइबर डिफेंस सिस्टम है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद में आज एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने इसे किसी भी फोन पर अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने का निर्देश नहीं दिया है। यह ऐप अपने आप फोन में सक्रिय नहीं होता और उपयोगकर्ता की अनुमति के बिना कोई डेटा एक्सेस नहीं करता। न यह कॉल सुन सकता है, न रिकॉर्ड कर सकता है, न लोकेशन ट्रैक करता है और न ही मैसेज पढ़ने में सक्षम है।

यदि कोई व्यक्ति इसे उपयोग नहीं करना चाहता, तो इसे फोन से हटाया भी जा सकता है। इसे चलाने के लिए उपयोगकर्ता की सहमति, यूजर आईडी और जानकारी आवश्यक है।

यदि कोई व्यक्ति इसे नहीं चाहता, तो वह अपने फोन से ऐप को डिलीट भी कर सकता है। सिंधिया ने कहा कि साल 2023 में शुरू हुए संचार साथी पोर्टल और साल 2025 में लॉन्च हुए ऐप ने मोबाइल चोरी, फर्जी मोबाइल कनेक्शन और साइबर फ्रॉड के खिलाफ लड़ाई में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। यह ऐप सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्ट्री (सीईआईआर) से जुड़ा है, जिसके जरिए चोरी या गुम हुए मोबाइल को तुरंत ब्लॉक किया जा सकता है और उनकी लोकेशन ट्रेस की जा सकती है।

संचार साथी ऐप साल 2023 में शुरू हुए संचार साथी पोर्टल और 2025 में लॉन्च हुए मोबाइल ऐप का अपडेट है। संचार साथी एप को सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्ट्री (सीईआईआर) से जोड़ कर चोरी या गुम हुए मोबाइल का आईएमईआई तुरंत ब्लॉक कर दिया जाएगा और गुम हुए फोन की लोकेशन तुरंत ट्रेस कर लिया जाएगा।

सीईआईआर के डेटा के मुताबिक, भारत में हर मिनट लगभग 11 मोबाइल फोन चोरी या गुम हो जाते हैं, यानी प्रतिदिन सवा लाख से ज्यादा और सालाना 50 लाख से अधिक मोबाइल या तो चोरी होते हैं या गुम होते हैं। इतने बड़े पैमाने पर चोरी होने वाले उपकरण बड़ी संख्या में नकली आईएमईआई लगाकर ब्लैक मार्केट में भी बेचे जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांग प्रतिभाओं तथा दिव्यांगों के कल्याण हेतु कार्यरत कर्मचारियों व संस्थाओं को किया सम्मानित

शारीरिक बनावट नहीं करती है क्षमता का निर्धारण: योगी

लखनऊ। विश्व दिव्यांग दिवस 2025 के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर बल दिया कि शारीरिक बनावट क्षमता के निर्धारण और लक्ष्यों की प्राप्ति में बाधा नहीं बनती है। बुधवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दिव्यांगजन सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति वितरण, सहायक उपकरण प्रदान करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के सम्मान के लिए आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की ऋषि परंपरा ने हमेशा हमें इस बात के लिए प्रेरित किया है कि व्यक्ति की शारीरिक बनावट उसकी क्षमता का निर्धारण नहीं करती है। भारतीय मनीषा का मानना है कि वास्तविक शक्ति मन, संकल्प और आत्मबल में है। भारत ही नहीं, पूरी दुनिया ने उस संकल्प शक्ति को, आत्मबल को वास्तविक और व्यावहारिक जीवन में दिव्यांगजन के सामर्थ्य से उद्घाटित होते हुए देखा है।

अष्टावक्र गीता का दिया उदाहरण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व दिव्यांग दिवस पर सभी की मंगलकामना करते हुए कहा कि आज देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की भी पावन जयंती है। उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां एक ग्रंथ है अष्टावक्र गीता जिसे ऋषि अष्टावक्र ने रचा था। उनके बारे में अनेक धारणाएं हैं, और कहते हैं कि विदेह जनक को भी आत्मज्ञान की प्रेरणा उन्होंने दी। मध्यकाल में संत सूरदास इसके उदाहरण हैं। दुनिया में भी अनेक ऐसे उदाहरण हैं जहां दिव्यांगजनों को थोड़ा भी संबल मिला तो उन्होंने अपने सामर्थ्य और अपनी शक्ति से समाज के लिए वह सब कुछ कर दिखाया जिस पर सामान्य जन को सहज विश्वास भी नहीं होता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, वे एक प्लेटफॉर्म के रूप में आपके लिए अत्यंत उपयोगी हो सकते हैं।

उपेक्षा से कुंठित होता है मन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर किसी के परिवार में जाने-अनजाने या किसी गलती के कारण कोई बच्चा दिव्यांगता का शिकार होता है तो स्वाभाविक रूप से परिवार और समाज उसे उपेक्षित कर देता है। परिणाम यह होता है कि बचपन में ध्यान न दिए जाने तथा संबल न मिलने के कारण उपेक्षा जीवन भर उसके मन को कुंठित करती है। वह स्वयं को लाचार स्थिति में देखता है, जबकि यदि हम थोड़ा सा संबल दें तो बहुत अच्छे परिणाम सामने आ सकते हैं।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव और चित्रकूट के मंडलायुक्त का दिया उदाहरण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार में हमारे खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव स्वयं पैरालंपिक मेडलिस्ट हैं तथा उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पैरा ओलंपिक में सर्वाधिक मेडल जीते। चित्रकूट के मंडलायुक्त दृष्टिबाधित हैं, लेकिन मंडलायुक्त के रूप में वहां अपनी पूरी क्षमता से कार्य कर रहे हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि हमारी संकल्प शक्ति और आत्मबल ही हमारे सामर्थ्य का वास्तविक पैमाना है। इसी कारण भारत की मनीषा और ऋषि परंपरा ने कभी भी शारीरिक बनावट को व्यक्ति की क्षमता का आधार नहीं माना।

हर व्यक्ति है ईश्वरीय कृति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर व्यक्ति ईश्वरीय कृति है और मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचनाओं में से एक है। यदि हम हर मनुष्य के भीतर ईश्वर का वास मानकर उसके प्रति सद्भाव और सहानुभूति रखें तथा थोड़ा सा संबल दें तो उपेक्षा के भाव से उसे बाहर निकालकर समाज और राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। दिव्यांगजन की सामर्थ्य और उनकी प्रतिभा से समाज को लाभान्वित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिव्यांगजनों के प्रति समाज की दृष्टि बदली है। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि शारीरिक रूप से कोई अंग कमजोर हो, लेकिन मानसिक रूप से वह अत्यंत परिपक्व हो। यदि संबल दिया जाए तो वह अपनी क्षमता, शक्ति और आत्मबल के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए अत्यंत उपयोगी बन सकता है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश सरकार ने पेंशन की राशि को 300 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दिया है। लाभार्थियों की संख्या भी 8 लाख से बढ़ाकर 11 लाख से अधिक कर दी गई है और तकनीक के उपयोग से पारदर्शी व सरल प्रक्रिया के जरिए उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। दिव्यांगजन के लिए अच्छे संस्थान स्थापित किए गए हैं और सहायक उपकरण वितरण की प्रक्रिया को भी व्यापक रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है।

सरकारी सेवाओं में 4 प्रतिशत तथा शिक्षण संस्थानों में 5 प्रतिशत आरक्षण लागू

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुसार उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजन कल्याण को 2014 के बाद नई गति मिली है। पहले व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल, ब्लाइंड स्टिक और हियरिंग एड प्राप्त करना अत्यंत कठिन था, परंतु एलिम्को, कानपुर और डी.डी.आर.सी. को सक्रिय कर स्थिति में सुधार किया गया। प्रदेश के सभी डी.डी.आर.सी. को पुनर्जीवित किया जा रहा है तथा प्रत्येक कमिश्नरी मुख्यालय पर नए केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए शब्द दिव्यांग ने सम्मान की नई भाषा और नई सोच को देश में स्थापित किया है। सरकारी भवनों, परिवहन और सार्वजनिक स्थलों को बैरियर फ्री बनाया जा रहा है तथा विद्यालयों को सुलभ बनाने का अभियान जारी है। ब्रेल लिपि, साइन लैंग्वेज, रैम्प, छात्रवृत्ति, निःशुल्क प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार के साथ ही सरकारी सेवाओं में 4 प्रतिशत तथा शिक्षण संस्थानों में 5 प्रतिशत आरक्षण लागू है।

आधुनिक सहायक सामग्रियों के लिए उपलब्ध कराया गया धन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रदेश में यूडीआईडी कार्ड के 16,23,000 से अधिक कार्ड निर्गत किए गए हैं और 19,74,000 से अधिक पंजीकृत हैं। कुष्ठावस्था पेंशन को 2,500 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये किया गया है तथा कृत्रिम अंगों हेतु अनुदान 10,000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये किया गया है। स्मार्टफोन, टैबलेट और डेज़ी प्लेयर जैसी आधुनिक सहायक सामग्रियों के लिए भी धन उपलब्ध कराया गया है। अब तक 3,84,000 से अधिक कृत्रिम उपकरण वितरित किए जा चुके हैं। शल्य चिकित्सा अनुदान 8,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये किया गया है और कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए 6,00,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। इस वर्ष 108 बच्चों का सफल इम्प्लांट कराया गया है। मानसिक दिव्यांगजन के लिए बरेली, मेरठ, गोरखपुर और लखनऊ में 50-50 क्षमता वाले आश्रय गृह संचालित हैं। चित्रकूट और बांदा में नए केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं तथा 16 जिलों में 24 संस्थान कार्यरत हैं।

18 मंडलों में बचपन डे केयर केंद्र संचालित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुसार प्रदेश में 6,100 से अधिक दम्पत्तियों को विवाह प्रोत्साहन तथा 8,835 दिव्यांग व्यक्तियों को स्वरोजगार सहायता प्रदान की गई है। 18 मंडलों में बचपन डे केयर केंद्र संचालित हैं। प्रयास, संकल्प, ममता और स्पर्श नाम से संचालित 21 विशेष विद्यालयों में 1,488 बच्चे रहकर अध्ययन करते हैं। प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है जहां दिव्यांगजन की उच्च शिक्षा के लिए दो विश्वविद्यालय संचालित हैं जिनमें डॉ. शकुंतला मिश्रा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विश्वविद्यालय और जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांगजन विश्वविद्यालय शामिल हैं। यहां दिव्यांग बच्चों के लिए उच्च शिक्षा की व्यवस्था है तथा उनकी लॉजिंग और फूडिंग की संपूर्ण सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि ओबीसी विद्यार्थियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,124 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है और 32,22,000 से अधिक छात्रों को इसका लाभ मिला है। कंप्यूटर प्रशिक्षण का बजट 11 करोड़ रुपये से बढ़कर 32 करोड़ 92 लाख रुपये हो गया है जिसके अंतर्गत 29,769 छात्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। विवाह अनुदान योजना में 2016-17 के 141 करोड़ रुपये की तुलना में 2024-25 में एक लाख गरीब पिछड़े वर्ग की बेटियों को सहायता उपलब्ध कराई गई है।

दिव्यांग विद्यार्थियों से किया संवाद, बांटे उपहार

उत्तर प्रदेश में विश्व दिव्यांग दिवस 2025 के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांग विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें चॉकलेट, मील बॉक्स, एमआर किट तथा अन्य उपहार दिए। इस दौरान दिव्यांग विद्यार्थियों के अनुरोध पर मुख्यमंत्री ने उनके साथ सेल्फी भी खिंचवाई। इसके बाद विश्व दिव्यांग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित प्रदर्शनी में हिस्सा लेते हुए उन्होंने विभिन्न स्टॉल्स का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि बुधवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति वितरण, सहायक उपकरण प्रदान करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के सम्मान से जुड़े इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह, विधायक डॉ. नीरज बोरा, जयदेवी सहित विभाग के प्रमुख सचिव और अन्य अधिकारी तथा लाभार्थी उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण समारोह में इन्हें किया गया सम्मानित

- पुरस्कार वितरण के दौरान प्रतीक सैनी, विक्रम कुमार, विकास कुमार और मोहम्मद हामिद को राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी के रूप में शॉल, चेक और प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।
- रागिनी शाह को सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन नियोक्ता के राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया। केशव जालान को सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी और एजेंसी के राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- मुकेश कुमार शुक्ला और बॉबी रमानी को दिव्यांगजन के लिए कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ व्यक्तियों के राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया। भिनगा श्रावस्ती की संस्था को सर्वश्रेष्ठ संस्था के राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- आशादीप धर्मार्थ सेवा समिति, मुजफ्फरनगर को दिव्यांगजन के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संस्था के राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- नंद प्रसाद यादव, पंकज कुमार श्रीवास्तव, विनायक बहादुर, अशोक कुमार और आस्था राय को प्रेरणास्रोत के राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- अंकित सिंघल को दिव्यांगजनों का जीवन सुधारने के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया। शाजिया सिद्दीकी को उत्पाद विकास के राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- समेकित विकास क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, गोरखपुर तथा उत्तर प्रदेश मूक बधिर विद्यालय, प्रयागराज को बाधा मुक्त वातावरण के सृजन हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- जनपद प्रयागराज को दिव्यांगजनों को उत्कृष्ट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सर्वश्रेष्ठ जनपद का सम्मान दिया गया। प्रवीण शेखर, कुमारी पूजा, शुभम प्रजापति, साधना सिंह और हिमांशु नागपाल को भी सम्मानित किया गया।
- राजकीय ब्रेल प्रेस, लखनऊ को सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस के सम्मान से सम्मानित किया गया। अजीत सिंह तथा रिदम शर्मा को सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। वहीं, डॉ. राजेंद्र पेंसिया और डॉ. दिलीप कुमार को भी सम्मानित किया गया।
- इसके साथ ही शैक्षिक सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बालक तथा बालिका इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

सड़क दुर्घटना में तीन की हुई मौत, पांच लोग घायल

कुशीनगर। जिले के कसया थानाक्षेत्र में पकवाइनार चौराहा पर बुधवार दोपहर अनियंत्रित 'डंपर' (एक प्रकार का मालवाहक वाहन) ने कई गाड़ियों को टक्कर मार दी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

थाना प्रभारी (कसया) अभिनव मिश्रा ने बताया कि दोपहर करीब 1.30 बजे पकवाइनार चौराहे पर कुशीनगर से हेतिमपुर की ओर जा रहे एक तेज़ रफ़्तार 'डंपर' ने पहले एक साइकिल सवार को टक्कर मारी और फिर 'डिवाइडर' पार करके दूसरी 'लेन' में चला गया। मिश्रा का कहना है कि गलत 'लेन' में जाने के बाद, अनियंत्रित 'डंपर' की एक ई-रिक्शा, एक मोटरसाइकिल, एक कंटेनर ट्रक और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिससे पांच गाड़ियों को नुकसान हुआ । अधिकारियों का कहना है कि टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि इलाके में धूल का गुबार छा गया। स्थानीय लोगों ने घायलों को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि की। पुलिस के अनुसार, गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को बाद में आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी के अनुसार मरने वालों की पहचान कसया के पिपरी चौबे टोला के साइकिल सवार रामविलास उर्फ साधु (60) और दो मोटरसाइकिल सवारों – केशव राजभर (24) और चंदन राजभर (22) के रूप में हुई हैं । केशव एवं चंदन देवरिया जिले के महुआवा थाने के सहोदर पट्टी के रहने वाले थे।

थाना प्रभारी ने बताया कि घायलों में ई-रिक्शा सवार शिवकुमारी देवी (42) भैंसाहा की, 16 साल की लक्ष्मी पटेल, 17 साल की काजल पकवाइनार की, ट्रैक्टर ड्राइवर अजय सिंह (46) शामपुर हटवा का, और एक अन्य व्यक्ति शामिल है, जिसकी पहचान की जा रही है। पुलिस टीम ने यातायात बहाल करने के लिए क्षतिग्रस्त गाड़ियों को सड़क से हटाया और आगे की कार्रवाई जारी है।

मंडलीय कारागार में कैदी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

गोंडा। गोंडा जिले के मंडलीय कारागार में हत्या के आरोप में निरुद्ध विचाराधीन कैदी मनोज (24) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जेल प्रशासन ने प्रथम दृष्टया इसका कारण हृदयाघात बताया है, जबकि कैदी के परिजनों ने इसे साजिशन हत्या करार देते हुए जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जेल प्रशासन के अनुसार मनोज पिछले करीब नौ माह से इस जेल में बंद था। उस पर दत्तनगर विसेन में इंद्रसेन की हत्या का आरोप था। यह मामला इसी साल 16 मार्च को तब सामने आया था, जब इंद्रसेन का सिर खैरा गांव से बरामद किया गया था। जेल अधीक्षक मृत्युंजय कुमार पाण्डेय के अनुसार, सोमवार को मनोज को अचानक सीने में दर्द और बेचैनी महसूस हुई। इसके बाद उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही मनोज के परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। शव देखकर उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मनोज को दिल का दौरा नहीं पड़ा, बल्कि उसकी हत्या की गई है। परिजनों ने जेल प्रशासन को मनोज की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की। जेल अधीक्षक ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी।

सम्भल के शाही जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर मामले में सुनवाई अब आठ जनवरी को

संभल। संभल की शाही जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर मामले में हिंदू पक्ष के दावे को खारिज करने को लेकर दायर वाद पर बुधवार को चंदौसी के दीवानी न्यायाधीश (वरिष्ठ संभाग) की अदालत में सुनवाई हुई। मामले की अगली सुनवाई अब आठ जनवरी को होगी। शाही जामा मस्जिद पक्ष के वकील शकील अहमद वारसी ने यहां बताया कि दीवानी न्यायाधीश (वरिष्ठ संभाग) आदित्य सिंह की अदालत में आज सुनवाई हुई।

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि अगले साल आठ जनवरी नियत की है। हिंदू पक्ष के वकील श्रीगोपाल शर्मा ने बताया कि हिंदू पक्ष ने 19 नवंबर 2024 को अदालत में एक दावा पेश किया था जिसमें कहा गया था कि शाही जामा मस्जिद पुरातत्व विभाग की सम्पत्ति है तो इसमें सभी पक्षों को वहां जाने की अनुमति दी जाए। शर्मा के अनुसार उसके बाद उसी दिन अदालत ने मस्जिद के सर्वे का आदेश दे दिया था। उसी दिन सर्वे भी हो गया था। कोर्ट कमिश्नर ने एक बार फिर सर्वे की इजाजत मांगी थी, जिसके बाद 24 नवंबर को सर्वे किया गया था। इस दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा हुई जिसमें गोली लगने से चार लोगों की मौत हो गयी थी तथा अनेक अन्य जख्मी हो गये थे।

शर्मा का कहना है कि कि मस्जिद प्रबंधन समिति ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हुए सर्वे रिपोर्ट दाखिल होने के बाद मामले की होने वाली सुनवाई पर रोक लगाने का अनुरोध किया था, लेकिन उच्च न्यायालय ने दीवानी न्यायाधीश (वरिष्ठ संभाग) के सर्वे के आदेश को सही माना और याचिका को खारिज कर दिया। मस्जिद समिति ने इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। उच्चतम न्यायालय ने उस पर फैसला सुनाये जाने तक यथास्थिति बनाये रखने का आदेश दिया था।

शर्मा ने बताया कि उच्चतम न्यायालय में मामला लम्बित होने की वजह से दीवानी न्यायाधीश आदित्य सिंह ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख आठ जनवरी नियत कर दी। पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान संभल के दौरान हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और शाही जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जफर अली के खिलाफ नामजद तथा 2750 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

एमएलसी ने चलाया कुंडी खटखटाओ अभियान, एसआईआर के लिए मतदाताओं को किया जागरूक

महोबा। गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत "कुंडी खटकाओ–डोर टू डोर अभियान" का बुधवार को आयोजन किया गया। एमएलसी व अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर लोगों को एसआईआर के लिए जागरूक किया। बुधवार को जनपद मुख्यालय स्थित गांधीनगर में कार्यक्रम का आयोजन शिवम प्रेस के घर के सामने, आल्हा चौक की पूंछ वाली गली में किया गया। हमीरपुर बांदा विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर ने बूथों में अब तक हुए एस.आई.आर. कार्य की समीक्षा की । एमएलसी ने स्वयं घर–घर जाकर मतदाताओं को एस.आई.आर. फॉर्म भरने की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का पूर्ण एवं समयबद्ध अद्यतन लोकतंत्र की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस दौरान जिला मास्टर ट्रेनर एसआईआर बीएलओ राम बिहारी गुप्ता , दीपक और भारतीय जनता पार्टी के नगर मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र गुप्ता, संतोष गुप्ता, डॉ. राजेश चौरसिया,प्रशांत गुप्ता, महिला पदाधिकारी उमा गजया ,ममता भदोरिया, आदि मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने एस.आई.आर. कार्य को शीघ्र पूर्ण करने का संकल्प लिया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को लेकर काशी में उत्साह, पदयात्रा निकाली

वाराणसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी उत्साह है। चार दिसंबर गुरूवार को दो दिवसीय दौरे पर आ रहे पुतिन के स्वागत में यहां लमही स्थित सुभाष भवन से मुंशी प्रेमचंद स्मृति द्वार तक 'भारत-रूस मैत्री मार्च' निकाला गया। बुधवार को सामाजिक संगठन विशाल भारत संस्थान के बैनर तले निकले मार्च में भारत रूस सम्बन्ध जिन्दाबाद, भारत रूस की दोस्ती, दुनिया के लिए जरूरी आदि नारे लगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पोस्टर की आरती उतार कार्यकर्ताओं ने ढ़ोल नगाड़े भी बजाए।

पदयात्रा में शामिल संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजीव ने बताया कि भारत और रूस स्वाभाविक मित्र हैं। दोनों एक दूसरे के दुख में हमेशा साथ खड़े रहते हैं। मोदी और पुतिन वैश्विक नेता हैं जो अन्य देशों के लोकतंत्र, सीमाओं और प्रभुसत्ता की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। रूस और भारत मिलकर ही दुनिया को शांति के रास्ते पर ले जाएंगे। रूस के राष्ट्रपति पुतिन का इस समय भारत आना वैश्विक परिवर्तन का संकेत है। समस्त भारतीयों की ओर से हम उनका स्वागत करते हैं। मोदी और पुतिन मिलकर दुनियां में नया इतिहास रचेंगे।

संस्थान की राष्ट्रीय महासचिव डॉ अर्चना भारतवंशी ने कहा कि भारत और रूस के सम्बन्ध मजबूत होने से सबसे ज्यादा फायदा देश के युवाओं को होगा क्योंकि रूस की तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा हमारे देश के युवाओं को आगे बढ़ाने का काम करेगी और देश को सशक्त बनाएगी। डॉ नजमा परवीन ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन का भारत दौरा इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा। मुस्लिम महिला फाउंडेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी ने कहा कि भारत रूस मैत्री सम्बन्ध मजबूत हो और विश्व में शांति स्थापना की पहल हो। पदयात्रा में सत्यम राय, ओम प्रकाश पटेल, सूरज राजभर, अनीश, चंदन, गुलाब चन्द, रमता, शिमला, ज्योति, मैना देवी, इली भारतवंशी, खुशी भारतवंशी, उजाला भारतवंशीआदि ने भागीदारी की।

काशी-तमिल संगमम में दिखी भाषाई विविधता व सांस्कृतिक समन्वय की झलक स्कूली छात्रों ने सुनीं तमिल लोक कथाएं

वाराणसी। काशी में चल रहे काशी-तमिल संगमम 4.0 के दूसरे दिन भारत के भारत की भाषाई विविधता और सांस्कृतिक समन्वय की झलक दिखी। बुधवार को उत्तर वाहिनी गंगा के किनारे नमोघाट पर आयोजित विशेष एकेडमिक सत्र में कार्यक्रम की थीम "तमिल सीखें – तमिल करकलाम" के तहत स्थानीय छात्रों ने तमिल भाषा और दक्षिण भारतीय लोक-संस्कृति से रूबरू होकर सीखने का नया अनुभव हासिल किया।

बच्चों को तमिल भाषा, लोक कथाओं और दक्षिण भारतीय सांस्कृतिक वैभव से परिचित कराने के लिए तमिल लोककथाओं का सहारा लिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्वाह्न 10 बजे लंका इलाके में मारुति नगर कॉलोनी में स्थाति श्री राम पब्लिक स्कूल में हुई। स्कूल के लगभग 30 छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। सबसे पहले बच्चों को तमिल लोककथा सुनाई गई, जिसमें तमिल संस्कृति की गहराई और नैतिक संदेशों का रोचक ढ़ंग से वर्णन किया गया। इसके बाद नैतिक सोच विकसित करने, गतिविधि के माध्यम से छात्रों में नैतिक चिंतन, मूल्यों की समझ और निर्णय क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया गया।

इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा "जादुई पात्र" जिसे मुग्धा शाह ने अत्यंत मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति ने बच्चों को कहानी और जादुई तत्वों के माध्यम से सीख देने का अनोखा माध्यम प्रदान किया। इन गतिविधियों का संचालन स्कूल की शिक्षिका कृष्णा आचार्य, पुनीता सिंह, ज्योति पांडेय और शिक्षक शिवम सेठ की देखरेख में किया गया। इसके बाद संत अतुलानंद आवासीय अकादमी, शिवपुर के 11 छात्रों की सहभागिता के साथ कार्यक्रम का दूसरा सत्र शुरू हुआ।

गिल और पंड्या दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल

रायपुर। भारत के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अपनी अपनी चोट से उबर गए हैं जिससे बुधवार को उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह गर्दन की चोट के कारण गुवाहाटी में खेले गए दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाए।

बोर्ड ने एक बयान में कहा कि गिल की भागीदारी हालांकि बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' से उनकी फिटनेस पर मिलने वाली मंजूरी पर निर्भर करेगी। एशिया कप 2025 फाइनल और ऑस्ट्रेलिया में पांच मैच की श्रृंखला में नहीं खेलने वाले पंड्या ने भी मंगलवार को हैदराबाद में पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच के दौरान अपनी फिटनेस साबित करने के बाद भारतीय टीम में वापसी की। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैच की टी20 श्रृंखला नौ दिसंबर से कटक में शुरू होगी। इसके लिए टीम का चयन करने के लिए बुधवार को यहां चयन समिति की बैठक हुई। सूर्यकुमार यादव भारत के नियमित टी20 कप्तान हैं। पांच मैचों की यह श्रृंखला नौ दिसंबर से कटक में शुरू होगी। अन्य मैच चंडीगढ़ (11 दिसंबर), धर्मशाला (14 दिसंबर), लखनऊ (17 दिसंबर) और अहमदाबाद (19 दिसंबर) में खेले जाएंगे।

भारत की टीम इस प्रकार है

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारत की जर्सी का हुआ अनावरण

रायपुर। टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम की जर्सी का अनावरण बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान किया गया।

टी20 विश्व कप का 10वां चरण भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर सात फरवरी से आठ मार्च तक आयोजित किया जाएगा। भारत को ग्रुप ए में उसके पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ रखा गया है। भारत सात फरवरी को मुंबई में अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ करेगा।

जर्सी का अनावरण इस टूर्नामेंट के ब्रांड दूत और पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा तथा भारतीय टी20 टीम के सदस्य तिलक वर्मा ने किया।

क्रिकेटर ऋचा घोष बनीं पश्चिम बंगाल पुलिस की डीएसपी, सिलीगुड़ी में एसीपी की जिम्मेदारी संभाली

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को बताया कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य और विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रही ऋचा घोष पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर राज्य पुलिस बल में शामिल हो गई हैं और सिलीगुड़ी में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के रूप में जिम्मेदारी संभाली। अधिकारियों ने बताया कि 22 वर्षीय घोष ने सिलीगुड़ी पुलिस आयुक्तालय में पद संभाला जहां उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य सदस्यों से मुलाकात की। उनकी नियुक्ति पिछले महीने एक सार्वजनिक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा की गई घोषणा के बाद हुई। घोष ने आठ नवंबर को वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए कोलकाता स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय का दौरा किया था। पश्चिम

बंगाल पुलिस ने 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में कहा, "महिला क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की अहम सदस्य ऋचा घोष आज डीएसपी के पद पर राज्य पुलिस में जुड़ गई हैं। उन्हें सिलीगुड़ी आयुक्तालय में एसीपी नियुक्त किया गया है।" पोस्ट में आगे लिखा गया, "पश्चिम बंगाल पुलिस परिवार में स्वागत है ऋचा। ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाइयां।"

नवनीत कौर और जरमनप्रीत सिंह एचआईएल में एसजी पाइपर्स की अगुआई करेंगे

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) फ्रेंचाइजी एसजी पाइपर्स ने बुधवार को डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह और फारवर्ड नवनीत कौर को अपनी क्रमशः पुरुष और महिला टीम का कप्तान नियुक्त करने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर काइ विलोट पुरुष टीम के उप कप्तान होंगे। महिला टीम में नवनीत को कप्तान बरकरार रखा गया है जबकि ऑस्ट्रेलिया की केटलिन नोब्स टीम के साथ अपने पहले सत्र में उप कप्तान की भूमिका निभाएंगी।

एथलीट संजना और उनके कोच संदीप डोपिंग मामले में अस्थायी रूप से निलंबित

नई दिल्ली। हाल ही में रांची में आयोजित दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स सीनियर चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली 18 वर्षीय एथलीट संजना सिंह और उनके कोच संदीप मान को डोपिंग उल्लंघन के चलते अस्थायी निलंबन का सामना करना पड़ा है। यह एक दुर्लभ मामला है, जिसमें एथलीट के साथ उसके कोच को भी सज़ा दी गई है। संजना, जिन्होंने अक्टूबर में हुई प्रतियोगिता में महिलाओं की 1500 मीटर और 5000 मीटर रेस में स्वर्ण पदक जीते थे, उनके सैंपल में दो प्रतिबंधित स्टेरॉयड – मिथैंडीनोन और ऑक्सांड्रोलोन – पाए गए। इसके बाद राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

23 दिसंबर को 19 वर्ष की होने वाली संजना का नाम नाडा की वेबसाइट पर ताज़ा अपडेट में दर्ज किया गया है। नाडा ने एक एथलेटिक्स कोच संदीप के खिलाफ भी कार्रवाई की है, जिन्हें "प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी या तस्करी के प्रयास" के आरोप में अस्थायी निलंबन दिया गया है। माना जा रहा है कि यह वही संदीप मान हैं, जिनके तहत संजना हरियाणा के रोहतक में

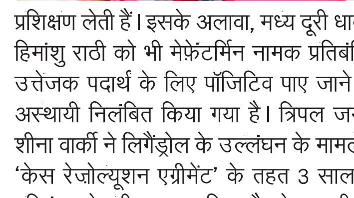

प्रशिक्षण लेती हैं। इसके अलावा, मध्य दूरी धावक हिमांशु राठी को भी मेफ़ेंटर्मिन नामक प्रतिबंधित उत्तेजक पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर अस्थायी निलंबित किया गया है। त्रिपल जम्पर शीना वार्की ने लिगैंड्रोल के उल्लंघन के मामले में 'केस रेजोल्यूशन एग्रीमेंट' के तहत 3 साल के प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है। केरल की 33 वर्षीय एथलीट ने इस वर्ष उत्तराखंड नेशनल गेम्स में रजत पदक जीता था। एक अन्य एथलीट बसंती कुमारी, जिन्होंने 2025 वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में मैराथन में हिस्सा लिया था, उनके सैंपल में 19-नोरएंड्रोस्टेरोन पाया गया है। वहीं, हाल ही में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले वेटलिफ्टर शंकर लोगेस्वरन को ड्रोस्टेनोलोन स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर अस्थायी निलंबन झेलना पड़ा है।

विराट कोहली आईसीसी एकदविसीय रैकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचे

दुबई। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रांची में पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में मैच विजयी शतकीय पारी की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए। कोहली ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 120 गेंद में 135 रन की पारी खेली जो 50 ओवर के प्रारूप में उनका 52वां शतक था।

उनकी पारी की बदौलत भारत ने 17 रन से जीत दर्ज की। सैंतीस साल के कोहली के अब 751 रैंकिंग अंक हैं। वह शीर्ष पर बरकरार पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (783), न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (766) और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (764) से पीछे हैं। कोहली ने भारत के एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को

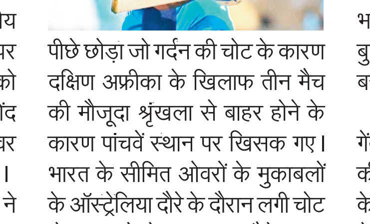

पीछे छोड़ा जो गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की मौजूदा श्रृंखला से बाहर होने के कारण पांचवें स्थान पर खिसक गए। भारत के सीमित ओवरों के मुकाबलों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी चोट से उबर रहे श्रेयस अय्यर नौवें स्थान पर बने हुए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में चार विकेट चटकाने वाले बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में एक स्थान के फायदे से छठे पायदान पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल नौवें स्थान पर बने हुए हैं जबकि गिल एक स्थान के नुकसान ने 12वें पायदान पर हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी 12वें से 14वें स्थान पर खिसक गए हैं। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 879 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं।

उन्होंने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी (846) पर 33 अंक की बढ़त बना रखी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैच की टेस्ट श्रृंखला में कमजोर प्रदर्शन के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 11वें से 13वें जबकि कुलदीप 13वें से 15वें स्थान पर खिसक गए। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती ने क्रमशः बल्लेबाजों और गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान कायम रखा है।

दक्षिण अफ्रीका के ब्रूइस के खिलाफ आक्रामक बर्ताव के लिए हर्षित राणा को फटकार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा को फटकार लगाई और रांची में पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करने के बाद उनके आक्रामक बर्ताव के लिए एक डिमेरिट अंक उनके खाते में जोड़ दिया। आईसीसी ने एक बयान में कहा, "राणा को आईसीसी की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन का दोषी पाया गया।" यह घटना रविवार को दक्षिण अफ्रीका की पारी के 22वें ओवर में हुई जब भारत के तेज गेंदबाज ने ब्रेविस को आउट करने के बाद ड्रेसिंग रूम की तरफ इशारा किया जिससे बल्लेबाज आक्रामक प्रतिक्रिया दे सकता था। राणा को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर उसका अपमान करने वाली भाषा, एक्शन या इशारे करने या आक्रामक प्रतिक्रिया देने से जुड़ा है। आईसीसी के बयान में कहा गया, "इसके अलावा राणा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है और उनकी यह 24 महीने के समय में पहली गलती थी।" राणा ने मैच में 65 रन देकर तीन विकेट लिए जिसकी बदौलत भारत ने 17 रन से जीत दर्ज कर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। लेवल एक के उल्लंघन पर कम से कम आधिकारिक फटकार और अधिकतम खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक दिए जाते हैं। अगर कोई खिलाड़ी 24 महीने के समय में चार या उससे ज्यादा डिमेरिट अंक तक पहुंच जाता है तो उन्हें निलंबन अंक में बदल दिया जाता है। दो निलंबन अंक का मतलब है एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से प्रतिबंध। खिलाड़ी जो भी मैच पहले खेलता है, यह उस पर लागू होता है। डिमेरिट अंक खिलाड़ी के रिकॉर्ड में 24 महीने तक रहते हैं।

स्मार्टफोन में पहले से साइबर सुरक्षा ऐप 'इंस्टॉल' करना अनिवार्य नहीं, सरकार ने निर्देश वापस लिया

नई दिल्ली। सरकार ने स्मार्टफोन विनिर्माताओं के लिए सभी नए मोबाइल फोन में साइबर सुरक्षा ऐप 'संचार साथी' को पहले से अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश को बुधवार को वापस ले लिया। यह कदम उन बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए उठाया है जिनमें कहा गया था कि इससे उपयोगकर्ता की निजता का उल्लंघन होने के साथ निगरानी का जोखिम हो सकता है। हालांकि, सरकार का संचार साथी ऐप के बारे में कहना है कि यह केवल चोरी हुए फोन का पता लगाने और ब्लॉक करने तथा उनके दुरुपयोग को रोकने में मदद करता है।

ऐप स्टोर पर स्वैच्छिक रूप से डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेगा। संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "सरकार ने मोबाइल विनिर्माताओं के लिए ऐप पहले से इंस्टॉल करने को अनिवार्य नहीं करने का फैसला किया है।" यह कदम विपक्षी दलों और निजता का समर्थन करने वालों के विरोध के बाद उठाया गया है। उनका कहना था कि ऐप कॉल सुनने के साथ-साथ संदेश भी

पढ़ सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि एप्पल और सैमसंग जैसे कुछ विनिर्माताओं ने 28 नवंबर के आदेश पर अपनी आपत्ति जताई है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, "उपयोगकर्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है और ऐप इंस्टॉल करने का आदेश इस प्रक्रिया को तेज करने और कम जागरूक नागरिकों तक ऐप को आसानी से पहुंचाने के लिए दिया गया था। पिछले एक दिन में ही छह लाख नागरिकों ने ऐप डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण कराया है, जो इसके उपयोग में 10 गुना वृद्धि है।" दुनिया में, शायद ही किसी देश ने सभी स्मार्टफोन पर साइबर सुरक्षा ऐप को पहले से लगाने को अनिवार्य किया हो। एकमात्र अपवाद रूस है, जिसने अगस्त में आदेश दिया था कि सरकारी संदेश सेवा...मैक्स सभी फोन और टैबलेट पर अनिवार्य रूप से इंस्टॉल हो।

आलोचक इसे एक संभावित निगरानी उपकरण मानते हैं। सरकार ने ऐप का बचाव करते हुए कहा, "यह सुरक्षित है और पूरी तरह से साइबर सुरक्षा के लिहाज से नागरिकों की मदद के लिए है।" मंत्रालय ने कहा कि यह उपाय अब जरूरी नहीं है क्योंकि ऐप को अपने आप ही 'व्यापक रूप से उपयोगकर्ताओं की स्वीकृति' मिल रही है। इससे पहले, संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संकेत दिया था कि सरकार 28 नवंबर के आदेश में बदलाव करने को तैयार है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐप के साथ जासूसी न तो संभव है और न ही होगी। उन्होंने लोकसभा में कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा के ऐप से जुड़ी जासूसी संबंधी चिंताओं के बारे में पूछे गए पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा, "संचार साथी ऐप से न जासूसी संभव है, न ही जासूसी होगी।" सिंधिया ने मंगलवार को कहा था कि उपयोगकर्ता ऐप को हटा सकते हैं। यह तभी चालू होता है जब कोई उपयोगकर्ता उस पर पंजीकरण करता है। उन्होंने बुधवार को लोकसभा में कहा कि अगर कोई उपभोक्ता ऐप पर पंजीकृत नहीं है, तो ऐप चालू नहीं होगा और कोई भी ऐप को हटा सकता है। मंत्री ने कहा कि अब तक लगभग 1.5 करोड़ ऐप डाउनलोड हो चुके हैं। पोर्टल और ऐप की मदद से 26 लाख चोरी हुए हैंडसेट का पता लगाया गया है, सात लाख चोरी हुए हैंडसेट उपभोक्ताओं को वापस कर दिए गए हैं, 41 लाख मोबाइल कनेक्शन काट दिए गए हैं और छह लाख धोखाधड़ी को रोक दिया गया है। मंत्रालय ने 28 नवंबर के आदेश में स्मार्टफोन विनिर्माताओं को सभी नए हैंडसेट पर ऐप को पहले से इंस्टॉल करने और पुराने मोबाइल फोन पर इसे अपडेट करने का निर्देश दिया था।

सरकार रुपये के गिरते स्तर को लेकर चिंतित नहीं, अगले साल स्थिति सुधरेगी: सीईए

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का स्तर 90 के पार होने के बावजूद सरकार इस गिरावट को लेकर चिंतित नहीं है। इसके साथ ही नागेश्वरन ने कहा कि रुपये में गिरावट मुद्रास्फीति या निर्यात पर प्रतिकूल असर नहीं डाल रही। उन्होंने उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा कि रुपया कमजोर होने से निर्यात को समर्थन मिलता है, लेकिन आयात महंगा हो जाता है।

लागत बढ़ाने से पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स और आभूषण जैसे आयात-निर्भर क्षेत्रों में कीमतों पर दबाव बन सकता है। हालांकि, सीईए ने उम्मीद जताई कि डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति में अगले साल सुधार आएगा। बुधवार को रुपया पहली बार 90 प्रति अमेरिकी डॉलर के

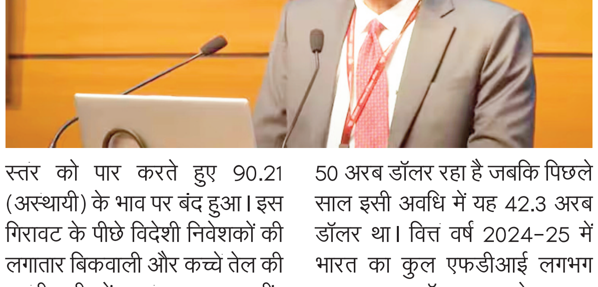

स्तर को पार करते हुए 90.21 (अस्थायी) के भाव पर बंद हुआ। इस गिरावट के पीछे विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुख्य कारण रहीं। नागेश्वरन ने भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को लेकर सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि इस साल भारत का एफडीआई आंकड़ा 100 अरब डॉलर से अधिक रह सकता है। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में कुल एफडीआई लगभग 50 अरब डॉलर रहा है जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 42.3 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल एफडीआई लगभग 81.04 अरब डॉलर रहा, जो सालाना आधार पर 14 प्रतिशत अधिक था। नागेश्वरन ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद एफडीआई का स्वरूप बदल गया है। कई देश अब स्थानीय स्तर पर उत्पादन पर ध्यान दे रहे हैं जिससे कंपनियां अब अपने देश के भीतर निवेश करने लगी हैं।

जियो ने अक्टूबर में सबसे अधिक 39 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े

नई दिल्ली। भारत में अक्टूबर में सक्रिय मोबाइल ग्राहकों की संख्या में 57 लाख की बढ़ोतरी हुई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के हालिया आंकड़ों के आधार पर विभिन्न विश्लेषकों की रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान जियो ने 39 लाख नए ग्राहक जोड़कर सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 कैलेंडर वर्ष में मजबूत ग्राहक वृद्धि और मोबाइल डेटा का बढ़ता उपयोग औसत प्रति

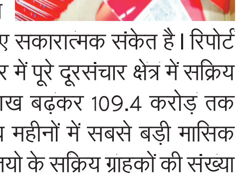

कमाई (एआरपीयू) के लिए सकारात्मक संकेत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर में पूरे दूरसंचार क्षेत्र में सक्रिय ग्राहकों की संख्या 57 लाख बढ़कर 109.4 करोड़ तक पहुंच गई, जो पिछले पांच महीनों में सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी है। अक्टूबर में जियो के सक्रिय ग्राहकों की संख्या 39 लाख बढ़कर 47.6 करोड़ हो गई, जबकि भारती एयरटेल के ग्राहकों संख्या लगभग 28 लाख बढ़कर 39.2 करोड़ पर पहुंच गई। वहीं वोडाफोन आइडिया के सक्रिय ग्राहकों की संख्या में चार लाख की कमी आई।

विदेशी पूंजी की निकासी से घरेलू बाजारों में लगातार चौथे दिन गिरावट, सेंसेक्स 31 अंक टूटा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और दोनों मानक सूचकांक मामूली नुकसान के साथ बंद हुए। सीमित कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 31 अंक नीचे आया जबकि एनएसई निफ्टी में 46 अंक की गिरावट आई। तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 31.46 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,106.81 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 374.63 अंक तक नीचे आ गया था।

इसी प्रकार 50 शेयर वाला एनएसई निफ्टी 46.20 अंक यानी 0.18 प्रतिशत फिसलकर 25,986 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक,

अदाणी पोर्ट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और बजाज फिनसर्व के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे।

दूसरी ओर लाभ में रहने वाले शेयर में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं संपत्ति प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर. ने कहा, "भारतीय रुपये के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के कारण शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।

इससे विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी जबकि मुद्रा की कमजोरी ने उनके डॉलर-समायोजित 'रिटर्न' पर असर डाला।" बीएसई मिडकैप में 0.95 प्रतिशत और स्मॉलकैप 0.43 प्रतिशत की गिरावट आई। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 3,642.30 करोड़ रुपये के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,645.94 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की सकारात्मक दायरे में रहे जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में ज्यादातर में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

सोना 670 रुपये बढ़कर 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी टूटी

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुझानों और रुपये में भारी गिरावट के कारण सुरक्षित निवेश मांग के लिए समर्थन मिलने से बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 670 रुपये चढ़कर 1,32,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। मंगलवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,31,530 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपये के अब तक के सबसे निचले स्तर पर आने से सर्राफा कीमतों में तेजी आई है। हालांकि, सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी ने छह दिन की बढ़त का सिलसिला तोड़ दिया और इसकी कीमत 460 रुपये की गिरावट के साथ 1,80,900 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "मजबूत वैश्विक रुख और भारतीय मुद्रा में कमजोरी के कारण घरेलू बाजारों में सोने में मामूली बढ़त दर्ज की गई।" बुधवार को, विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच, रुपया पहली बार 90-डॉलर के स्तर को पार कर 90.21 (अस्थायी) के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से 25 पैसे की गिरावट है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ 4,207.67 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी की कीमत बढ़कर 58.47 डॉलर प्रति औंस हो गई। सत्र के दौरान चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 58.94 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। गांधी ने कहा कि फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की नरम टिप्पणियों ने अगले हफ्ते की एफओएमसी बैठक में ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत अंक की कटौती की उम्मीदों को मजबूत किया है, जिससे डॉलर के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा हो रही हैं, जबकि सर्राफा को समर्थन मिल रहा है।

अभी मैं सिंगल हूं, कॅरियर पर फोकस कर रही हूं
नोरा फतेही

मुंबई। अपने रिश्तों को लेकर उड रही अफवाहों पर बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने साफ कहा है कि वह पूरी तरह सिंगल हैं और अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। हालांकि, अतीत में उनका नाम कई सितारों के साथ जुड़ चुका है, जिनमें अभिनेता अंगद बेदी भी शामिल हैं। दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन समय के साथ उनका रिश्ता टूट गया। अंगद बेदी और नोरा फतेही कुछ साल पहले एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनों को कई इवेंट्स, पार्टियों और निजी मौकों पर साथ देखा गया था। उस समय अंगद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे थे, जबकि नोरा भी अपने करियर के बड़े मौके का इंतजार कर रही थीं। मीडिया में उनके रिश्ते की चर्चा खूब हुई, लेकिन दोनों ने इसे सार्वजनिक तौर पर स्वीकार करने से बचते रहे। साल 2018 में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया और इसी साल अंगद बेदी ने अचानक अभिनेत्री नेहा धूपिया से शादी कर ली। उसी वर्ष दोनों बेटी मेहर के माता-पिता बने। वहीं, ब्रेकअप के बाद नोरा ने खुद को पूरी तरह काम में झोंक दिया और कुछ ही समय में बॉलीवुड की टॉप डांस परफॉर्मर्स में शामिल हो गईं। अंगद बेदी ने 2020 में दिए एक इंटरव्यू में नोरा के बारे में बात करते हुए कहा था कि वह एक प्यारी लड़की हैं और अपने करियर में शानदार काम कर रही हैं। उन्होंने नोरा की सफलता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दूसरी ओर, नोरा ने भी एक इंटरव्यू में अपनी लव लाइफ को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके एक्स-बॉयफ्रेंड ने उन्हें धोखा दिया था, हालांकि उन्होंने नाम बताने से इनकार कर दिया। नोरा के मुताबिक, धोखे की जानकारी होने के बावजूद उसे साबित करना मुश्किल था और उन्होंने उस दर्द को अपनी मेहनत में बदल दिया। नोरा का नाम पहले कोरियोग्राफर टेरेंस लुइस, सिंगर गुरु रंधावा और बिग बॉस फेम प्रिंस नरूला के साथ भी जोड़ा गया। हालांकि, इन मामलों में कभी सार्वजनिक पुष्टि नहीं हुई। नोरा ने हमेशा कहा है कि वह अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं। फिलहाल नोरा नए प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं और उनका पूरा ध्यान करियर पर है।

'जी ले जरा' पर फरहान अख्तर ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई। बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जी ले ज़रा' एक बार फिर चर्चा में है। प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट स्टारर इस महिला प्रधान रोड-ट्रिप फिल्म को लेकर लंबे वक्त से कयास लगाए जा रहे थे कि यह बंद हो चुकी है। लेकिन हालिया बातचीत में निर्देशक फरहान अख्तर ने सभी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। फरहान अख्तर बोले, फिल्म अभी भी एक्टिव रिपोर्ट के अनुसार फरहान अख्तर ने साफ कहा है कि 'जी ले ज़रा' बिल्कुल बंद नहीं हुई है। फिल्म एक्टिव है, पिछली शेड्यूलिंग समस्याओं के चलते इसे फिलहाल होल्ड पर रखा गया था। फरहान इससे पहले 'डॉन 3' को लेकर भी स्पष्ट कर चुके हैं कि वह प्रोजेक्ट भी बंद नहीं हुआ है। फिल्म की घोषणा कई साल पहले हुई थी, लेकिन लगातार बाधाओं के कारण शूटिंग शुरू नहीं हो सकी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा ने अपनी बेटी मालती मैरी के जन्म के बाद फिल्म छोड़ने पर विचार किया था। इसके बाद अनुष्का शेट्टी को कास्ट किए जाने की खबरें आईं। कैटरीना कैफ भी अपनी अन्य कमिटमेंट्स के कारण प्रोजेक्ट से बाहर होने की चर्चा में थीं। हालांकि अब जानकारी मिल रही है कि 'जी ले ज़रा' अपने मूल स्टारकास्ट प्रियंका, कैटरीना और आलिया के साथ ही आगे बढ़ेगी।

शाहरुख का निर्देशन करना मेरे बस की बात नहीं: राम गोपाल

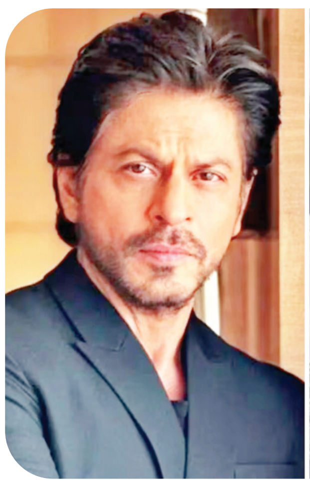

मुंबई। बॉलीवुड के चर्चित निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ उन्होंने कभी काम नहीं किया। वर्मा ने पहली बार खुलकर बताया कि दोनों का साथ क्यों नहीं हो पाया। बातचीत में राम गोपाल वर्मा ने कहा कि शाहरुख खान उनकी फिल्मों के टोन और स्टाइल में फिट नहीं बैठते। उन्होंने बताया कि शाहरुख खान का निर्देशन करना मेरे बस की बात नहीं है। मैं अपनी फिल्म 'कंपनी' में उन्हें कास्ट करना चाहता था, लेकिन उस फिल्म का किरदार मल्लिक बहुत शांत, गंभीर और कुछ आलसी स्वभाव का था। उस किरदार में हाई एनर्जी या चुलबुलापन बिल्कुल नहीं था, जबकि शाहरुख की पर्सनैलिटी ही एनर्जी से भरी रहती है। ऐसे रोल में उन्हें डालना गलत होता। राम गोपाल वर्मा ने आगे कहा कि शाहरुख खान एक पावरहाउस परफॉर्मर हैं और उनके फैन भी उन्हें उसी रूप में पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि शाहरुख लाइव वायर की तरह हैं। कैमरा चालू होते ही वो पूरी फ्रेम को कब्जे में ले लेते हैं। जब वो स्क्रीन पर होते हैं, तो निर्देशक के पास करने के लिए बहुत कम बचता है। वो सीन में इतनी ताकत डालते हैं कि बाकी सब पीछे रह जाता है। डायरेक्टर के अनुसार, उनकी फिल्मों का मूड बहुत कंपोज्ड, इंटेंस और साइलेंट पावर पर आधारित होता है, जबकि शाहरुख की एक्टिंग स्टाइल ज्यादा एक्सप्रेसिव और एनर्जेटिक है। वह कहते हैं कि मेरी फिल्ममेकिंग स्टाइल और शाहरुख की स्क्रीन एनर्जी एक-दूसरे के विपरीत हैं। इसलिए इतने सालों में कभी साथ काम करने का मौका नहीं बना। अगर मैंने उन्हें अपनी फिल्मों में कास्ट किया होता, तो वह गलत विकल्प होता, क्योंकि उन्हें उनके नेचुरल फ्लो में देखा जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने शाहरुख की जमकर तारीफ़ करते हुए कहा कि उनका कद और प्रभाव इतना बड़ा है कि निर्देशक को उनके सामने बहुत सोच-समझकर चलना पड़ता है।

पृथ्वी गजल जैसी क्लासिकल शैली को आगे बढ़ाने काम कर रहे हैं: अनुपम खेर

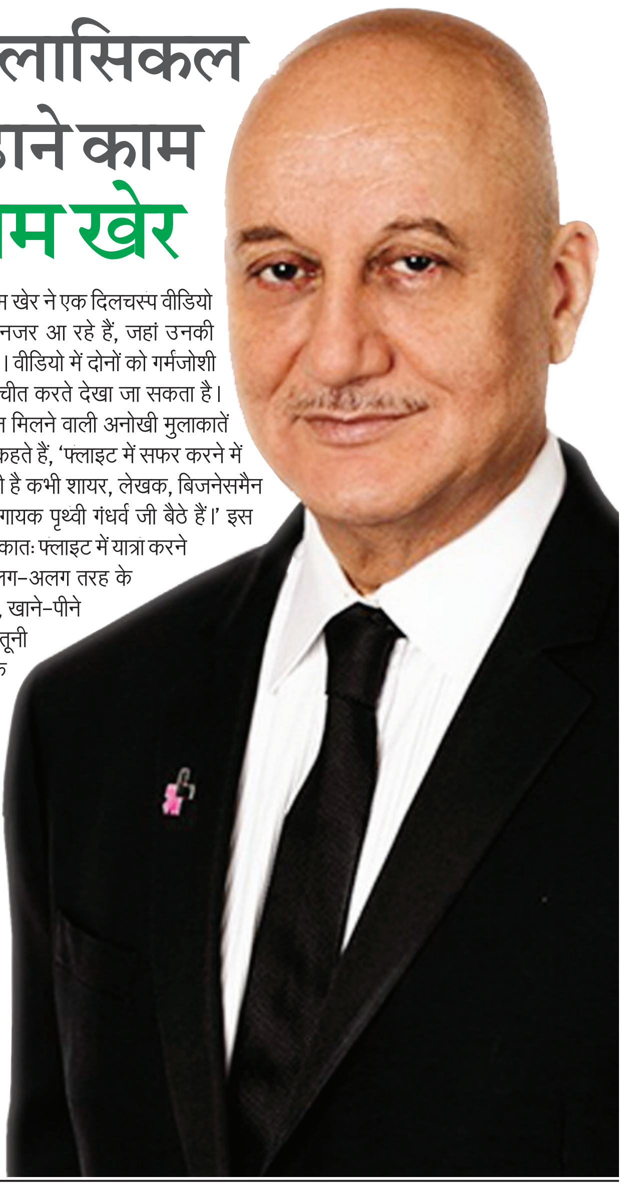

मुंबई। अपने इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने एक दिलचस्प वीडियो शेयर किया। वीडियो में अनुपम खेर फ्लाइट में बैठे नजर आ रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात मशहूर गजल गायक पृथ्वी गंधर्व से होती है। वीडियो में दोनों को गर्मजोशी के साथ एक-दूसरे का अभिवादन करते और बातचीत करते देखा जा सकता है। वीडियो में अनुपम खेर बताते हैं कि यात्रा के दौरान मिलने वाली अनोखी मुलाकातें सबसे खास अनुभव होती हैं। वीडियो में अनुपम कहते हैं, 'फ्लाइट में सफर करने में अक्सर बड़ी-बड़ी हस्तियों से मुलाकात हो जाती है कभी शायर, लेखक, बिजनेसमैन और गायक। आज हमारे साथ मशहूर गजल गायक पृथ्वी गंधर्व जी बैठे हैं।' इस पोस्ट के साथ अभिनेता ने लिखा कि खास मुलाकातः फ्लाइट में यात्रा करने का सबसे अच्छा यह होता है कि आपको अलग-अलग तरह के लोग मिलने का मौका मिलता है बिजनेस वाले, खाने-पीने के शौकीन, स्टाइलिश लोग, लेखक और बातूनी लोग। अनुपम खेर ने पृथ्वी गंधर्व की तारीफ करते हुए कहा कि जहां आजकल अधिकतर गायक आधुनिक और प्रयोगात्मक संगीत की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं पृथ्वी गजल जैसी क्लासिकल शैली को आगे बढ़ाने का शानदार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पृथ्वी से मिलकर खुशी हुई। मुझे गजलें हमेशा से पसंद हैं और पृथ्वी जी को गजलें गाते सुनना अद्भुत अनुभव रहा। वीडियो के अंत में पृथ्वी गंधर्व, अनुपम के अनुरोध पर उनके पसंदीदा गजल गायक गुलाम अली साहब की मशहूर गजल गुनगुनाते हैं, जिससे पूरा वातावरण भावनात्मक और खुशनुमा हो जाता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुपम ने लिखा कि पृथ्वी ने मेरे पसंदीदा गुलाम अली साहब की एक खूबसूरत गजल भी गाई, जिसके लिए मैं उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और प्रशंसक कमेंट्स में दोनों की तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि अनुपम खेर का यह विनम्र स्वभाव और कला के प्रति सम्मान उन्हें अलग पहचान देता है। गौरतलब है कि पृथ्वी गंधर्व मनोरंजन जगत के एक प्रतिष्ठित नाम हैं और उन्होंने फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' में गायन से बॉलीवुड में प्रवेश किया था।

आज दो दिवसीय यात्रा पर आ रहे पुतिन, 30 घंटे साथ रहेंगे पीएम मोदी और रुसी राष्ट्रपति

मास्को/नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4-5 दिसंबर 2025 को भारत की आधिकारिक यात्रा पर भारत आ रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके खासमखास दोस्त पुतिन करीब 30 घंटे का समय साथ साथ गुजारेंगे। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। इससे पहले वे दिसंबर 2021 में दिल्ली आए थे।

यह दौरा दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने के खास मौके पर हो रहा है और 23वाँ भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन इसी दौरान आयोजित होगा। वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव के बीच इस मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। पुतिन का यह दौरा भले दो दिन का है, लेकिन दिल्ली में उनका ठहराव करीब 30 घंटे का होगा। वे 4 दिसंबर की शाम लगभग 6 बजे नई दिल्ली पहुंचेंगे। आगमन के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके साथ निजी डिनर और कुछ अनौपचारिक मुलाकातें करेंगे। अगले दिन यानी 5 दिसंबर की सुबह 9:30 बजे राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत समारोह होगा। इसके बाद पुतिन राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। फिर हैदराबाद हाउस में दोनों नेताओं के बीच पहले सीमित दायरे की वार्ता और उसके बाद बड़े प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत होगी। दोपहर में प्रतिनिधिमंडलों के साथ लंच में कुछ प्रमुख भारतीय उद्योगपति भी शामिल हो सकते हैं। लंच के बाद कई द्विपक्षीय समझौतों और परियोजनाओं की घोषणा की जाएगी, जिसके बाद दोनों नेता मीडिया को संबोधित करेंगे। दोपहर में ही भारत-रूस बिजनेस फोरम का आयोजन होगा जिसमें पुतिन और मोदी दोनों हिस्सा ले सकते हैं। शाम को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से राजकीय भोज होगा। भोज समाप्त होने के बाद रूसी राष्ट्रपति भारत से रवानगी लेंगे।

इस शिखर सम्मेलन में रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, निवेश, अंतरिक्ष और परमाणु सहयोग समेत कई क्षेत्रों में अहम समझौते होने की संभावना है। रूसी पक्ष पहले ही संकेत दे चुका है कि अतिरिक्त एस-400 वायु रक्षा रेजीमेंट की डिलीवरी और पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एसयू-57 की भारत को पेशकश पर बात आगे बढ़ सकती है। एसयू-57 के मामले में तकनीक हस्तांतरण और भारत में संयुक्त उत्पादन का प्रस्ताव भी चर्चा में है। इसके अलावा दोनों देश ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार असंतुलन को दूर करने, रुपी-रूबल भुगतान व्यवस्था को मजबूत करने और अफगानिस्तान, मध्य एशिया तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समन्वय जैसे मुद्दों पर भी गहन विचार-विमर्श करेंगे। पुतिन-मोदी की यह मुलाकात केवल औपचारिक वार्ता नहीं होगी बल्कि आने वाले वर्षों में भारत-रूस विशेष रणनीतिक साझेदारी की नई दिशा और गति तय करेगी। युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद दोनों देशों के बीच रक्षा एवं ऊर्जा सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है, और यह यात्रा उस साझेदारी को और गहरा करने का बड़ा अवसर है।

रुसी पुतिन शाम को करीब 6 बजे भारत पहुंचेंगे। आगमन के बाद उनकी कुछ महत्वपूर्ण मीटिंग्स होंगी, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्राइवेट डिनर और अन्य निजी कार्यक्रम शामिल हैं।

पुतिन के लिए 5 नवंबर को सुबह 9:30 बजे राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत समारोह होगा, इसके बाद राजघाट जाकर श्रद्धांजलि देंगे। सीमित दायरे की वार्ता, फिर हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय तथा प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत। और साथ में लंच होगा जिसमे कुछ प्रमुख उद्योगपति भी शामिल हो सकते हैं। हैदराबाद हाउस में समझौतों की घोषणा कर सकते हैं। भारत-रूस बिजनेस फोरम, जिसमें दोनों नेता शामिल हो सकते हैं। राष्ट्रपति की ओर से शाम को राज्य भोज के बाद पुतिन भारत से प्रस्थान करेंगे।

भारत ने चक्रवात प्रभावित श्रीलंका भेजे 70 से अधिक चिकित्साकर्मी

कोलंबो। भारतीय उच्चायोग ने बुधवार को बताया कि चक्रवात 'दित्वा' से आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद भारत ने श्रीलंका को एक सचल अस्पताल और 70 से अधिक चिकित्साकर्मी भेजे हैं। बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे श्रीलंका में अवसंरचनाएं ध्वस्त होने से कई जिले अलग-थलग पड़ गए हैं और देश की आपदा प्रतिक्रिया क्षमता पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। चक्रवात के प्रभाव से बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में 465 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 366 लोग लापता हैं। भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर बताया कि भारत ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए 70 से अधिक चिकित्सा कर्मियों तथा एक 'शीघ्र तैनात किए जाने योग्य फील्ड अस्पताल' भेजा है। पोस्ट में कहा गया है कि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के सी-17 ग्लोबमास्टर विमान ने पैरा फील्ड अस्पताल और 73 चिकित्सा कर्मियों को मंगलवार शाम को कोलंबो पहुंचाया।

भारतीय बचाव दल कई स्थानों पर 'ऑपरेशन सागर बंधु' संचालित कर रहा है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के दलों ने कोलंबो के पास और बडुला में 43 से अधिक लोगों को बचाया है और वे आठ से 10 फुट गहरे पानी में फंसे लोगों को निकालने के कार्य को प्राथमिकता दे रहे हैं।

इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप में चक्रवाती तूफान से तबाही, बाढ़-भूस्खलन से 712 लोगों की मौत

जकार्ता (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया का सुमात्रा द्वीप हाल ही में आए चक्रवाती तूफान से कराह रहा है। भीषण बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई है। अब तक कम से कम 712 लोगों की मौत हो चुकी है।

402 से अधिक लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। चक्रवाती तूफान का सबसे अधिक प्रभाव उत्तरी सुमात्रा, पश्चिमी सुमात्रा और आचे प्रांत पर पड़ा है। इस आपदा का मुख्य कारण दो दुर्लभ उष्णकटिबंधीय चक्रवात के प्रभाव से हुई भारी बारिश और उसके बाद हुआ भूस्खलन है। द जकार्ता पोस्ट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के नेतृत्व में सेना, पुलिस और स्वयंसेवी संगठन बचाव और राहत कार्यों में लगे हुए हैं। कई जगहों पर पुल और सड़कें टूट जाने से प्रभावित इलाकों तक मदद पहुंचाने में दलों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस आपदा में लाखों लोग बेघर हो गए हैं और भोजन -पानी की तलाश में संघर्ष कर रहे हैं।

सोमालियाई कचरा, वह अमेरिका से कहीं और चले जाएं: ट्रंप

वाशिंगटन। राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक में कहा कि वह अमेरिका में एक भी सोमालियाई प्रवासी को नहीं देखना चाहते। यह लोग कचरा हैं। यह सच में अमेरिका में रहने लायक नहीं हैं।

उन्होंने यह टिप्पणी कैबिनेट बैठक में की। सोमालियों के खिलाफ यह गुस्सा व्हाइट हाउस की तरफ से पूरे समुदाय के खिलाफ माना जा रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति को सोमालियों के खिलाफ गुस्सा ऐसे समय पर आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को बाहर निकालने की योजना तैयार कर रहा है। यह बैठक दो घंटे तक चली। ट्रंप इस अभियान से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों से भी चर्चा की। युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि रणनीति तैयार की जा रही है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, एक संघीय अधिकारी ने कहा कि मिनियापोलिस और सेंट पॉल (मिनेसोटा) में एक नया अभियान शुरू होने वाला है। इस अभियान के दौरान सोमाली प्रवासियों को निशाना बनाया जाएगा। यह अभियान सबसे पहले मिनियापोलिस से शुरू होगा। कैबिनेट बैठक के आखिर में ट्रंप ने यह कहा कि ₹मैं उन्हें अपने देश में नहीं चाहता। उनका देश किसी वजह से अच्छा नहीं है। उनके देश से बदबू आती है और हम उन्हें अपने देश में नहीं चाहते।

ट्रंप ने सोमालियाई प्रवासी कम्युनिटी और मिनेसोटा डेमोक्रेटिक रिप्रेजेंटेटिव इल्हान उमर को कचरा कहा। राष्ट्रपति ने कहा उन्हें वहां वापस चले जाना चाहिए जहां से वे आए थे। उल्लेखनीय है कि सोमालिया उन 19 देशों में से एक है जिस पर ट्रंप ने कड़े यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं। ट्रंप ने सोमालिया को एक ऐसा देश बताया है जहां कि कोई कानून नहीं, कोई पानी नहीं, कोई मिलिट्री नहीं, कुछ भी नहीं है।